www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 मतों की हेराफेरी के जनक और उनके...

3 श्री खाटू श्याम मंदिर में श्रद्धा और उल्लास से मनाई...

4 रोहताश वर्मा बने ओबीसी बिग्रेड के प्रदेश प्रवक्ता

वर्ष: 9 | अंक: 296 | दिल्ली, बुधवार, 20 अगस्त 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली मित्र' ऐप लॉन्च करेगी रेखा गुप्ता सरकार

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली कैबिनेट के द्वारा दूसरा बड़ा फैसला लिया गया है। इस फैसले के मुताबिक 'दिल्ली मित्र' ऐप लॉन्च किया जाएगा। नागरिक इस पोर्टल पर सीधे अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। गौरतलब है कि इस ऐप का विचार आम लोगों ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को लिखे एक प्रस्ताव पत्र में सुझाया था, जिसे अब कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। इससे पहले आज दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना बाजार स्थित रिहायशी इलाके का दौरा किया, जहाँ उफनती यमुना नदी का पानी घुस गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि दिल्ली में बाढ़ जैसी कोई स्थिति नहीं है और एक-दो दिनों में जलस्तर कम हो जाएगा। प्रभावित क्षेत्र का आकलन करने के बाद, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। सुबह जलस्तर 206 मीटर के करीब था, लेकिन अभी तक यह इस स्तर को पार नहीं कर पाया है। एक-दो दिन में पानी कम हो जाएगा। हम यहाँ भोजन-पानी के साथ-साथ चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध करा रहे हैं। दिल्ली में बाढ़ की कोई स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने उन लोगों के लिए स्कूलों में व्यवस्था की है जो सुरक्षित स्थान पर जाना चाहते हैं, उन्हें रहने की जगह और भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, साथ ही प्रभावित क्षेत्र में सभी आवश्यक सहायता भी प्रदान की जा रही है।

देहरादून-नैनीताल के बीच कम होगी 45 किमी दूरी

उत्तराखंड (एजेन्सी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को राज्य के गढ़वाल और कुमाऊं क्षेत्रों को जोड़ने वाले सिंगटाली पुल के निर्माण के लिए 57 करोड़ रुपये मंजूर किए। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। कौड़ियाला-व्यासघाट मोटर मार्ग के-केएम 01 में गंगा नदी पर प्रस्तावित सिंगटाली पुल की कुल लंबाई 150 मीटर है। इस पुल के निर्माण से दोनों क्षेत्रों के बीच संपर्क मजबूत होगा। पुल के तेजी से निर्माण के साथ, इसके निर्धारित समय में पूरा होने की उम्मीद है। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने पौड़ी जिले के यमकेश्वर विधानसभा क्षेत्र में पुल के लिए वित्तीय और ढांचागत सहायता का प्रस्ताव रखा था। उत्तराखंड सरकार के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मुख्य अभियंता द्वारा परियोजना के लिए स्वीकृत आदेश जारी किए गए। मुख्यमंत्री के विशेष निर्देश पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि वित्त समिति ने इस प्रस्ताव को पहले ही हरी झंडी दे दी है। इस तरह इस बहुप्रतीक्षित पुल के निर्माण में आने वाली सभी बाधाएं अब दूर हो गई हैं, जिससे पुल का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू हो सकेगा। इस बीच, 17 अगस्त को मुख्यमंत्री ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, जिनमें पुत्री विवाह सहायता योजना, मृत्यु अनुदान योजना, मातृत्व सहायता योजना और शिक्षा सहायता योजना शामिल हैं, के तहत श्रमिकों और उनके आश्रितों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 24.85 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए। यह हस्तांतरण उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (यूकेबीओसीडब्ल्यू) द्वारा पिछले महीने चलाए गए एक विशेष अभियान के माध्यम से 8,299 आवेदनों के निस्तारण के बाद किया गया। इसके अंतर्गत कुल 24,85,19,700 रुपये (चौबीस करोड़ पचासी लाख उन्नीस हजार सात सौ रुपये) की धनराशि संबंधित श्रमिकों एवं उनके आश्रितों के बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। सचिव श्रम श्रीधर बाबू अद्दांकी एवं श्रम आयुक्त प्रकाश चंद्र दुम्का ने बताया कि कर्मचारी बोर्ड द्वारा पिछले एक माह में विशेष अभियान चलाकर इन 8,299 आवेदनों का निस्तारण किया गया। बोर्ड स्तर पर इस प्रकार का प्रयास पहली बार किया गया है। यह भी आश्वासन दिया गया कि भविष्य में प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों का भी समयबद्ध अभियान चलाकर शीघ्र निस्तारण किया जाएगा।

हिमाचल में जारी है बारिश का तांडव, कुल्लू में फटा बादल

हिमाचल (एजेन्सी)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में भूतनाथ पुल के पास सड़क का एक हिस्सा मंगलवार को भारी बारिश और ब्यास नदी में बढ़ते जलस्तर के कारण क्षतिग्रस्त हो गया। लगातार बारिश, भूस्खलन और अवरुद्ध सड़कों को देखते हुए, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा जारी एक आधिकारिक निर्देश के अनुसार, कुल्लू जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों को मंगलवार को बंद रखने का आदेश दिया गया है। आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 30 और 34 (एम) के तहत उपायुक्त और डीडीएमए अध्यक्ष तोरुल एस. रवीश द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि खराब मौसम की स्थिति के बीच छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बंद करना आवश्यक था। आदेश में कहा गया है कि उप-मंडल अधिकारी (सी) कुल्लू और बंजार से भी उनके संबंधित क्षेत्राधिकारों में बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं के संबंध में रिपोर्ट प्राप्त हुई है, जिसके परिणामस्वरूप सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं, पैदल पुल बह गए हैं और अन्य नुकसान हुए हैं; और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), शिमला ने जिला कुल्लू के लिए 19 अगस्त 2025 के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। चीन के विदेश मंत्री और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो के सदस्य वांग यी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की।

श्री वांग यी ने प्रधानमंत्री मोदी को तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए चीन के राष्ट्रपति षी चिनफिंग का संदेश और निमंत्रण दिया। उन्होंने विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक और विशेष प्रतिनिधियों की 24 वीं बैठक के बारे में अपने सकारात्मक मूल्यांकन को भी साझा किया। उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत डोभाल के साथ इस बैठक की सह-अध्यक्षता की थी।

प्रधानमंत्री ने सीमा पर शांति बनाए रखने के महत्व पर बल दिया और सीमा प्रश्न के निष्पक्ष, तर्कसंगत और आपसी रूप से स्वीकार्य समाधान के लिए भारत की वचनबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले वर्ष कजान में चीन के राष्ट्रपति षी चिनफिंग के साथ अपनी बैठक के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में स्थिर और सकारात्मक प्रगति का स्वागत किया। ये संबंध आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता से निर्देशित हैं। इसमें कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली भी शामिल है। प्रधानमंत्री ने एससीओ शिखर सम्मेलन के निमंत्रण के लिए राष्ट्रपति शी चिनफिंग को धन्यवाद दिया और अपनी स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने एससीओ शिखर सम्मेलन में चीन की अध्यक्षता के लिए समर्थन व्यक्त किया। श्री मोदी ने कहा कि वह तियानजिन में राष्ट्रपति षी चिनफिंग से मिलने के लिए उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि भारत और चीन के बीच स्थिर, आशा के अनुरूप और रचनात्मक संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति तथा समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

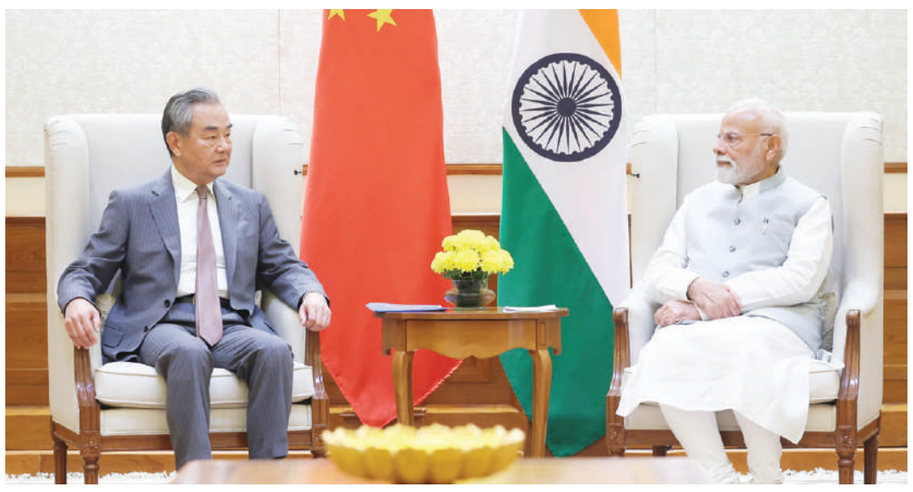

नई दिल्ली में चीन के विदेश मंत्री वांग यी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करते हुए।

■ प्रधानमंत्री ने एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति शी के निमंत्रण को स्वीकार किया

नंगे पांव बाढ़ के पानी में उतरी सीएम रेखा गुप्ता, पीड़ित लोगों का जाना हाल

सरकार की बाढ़ पर पूरी निगरानी, फिलहाल हालात काबू में: सीएम

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने और बाढ़ को देखते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता स्वयं पूरे हालात पर नजर रख रही हैं। आज उन्होंने एक बार फिर बाढ़ग्रस्त इलाके का दौरा किया और बाढ़ प्रबंधन व कंट्रोल सिस्टम का जायजा लिया। यमुना बाजार स्थित बाढ़ग्रस्त बस्ती में मुख्यमंत्री नंगे पांव बाढ़ के पानी में उतर गईं। उन्होंने बाढ़ से पीड़ित लोगों से बात की और आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ है। मुख्यमंत्री का यह भी कहना था कि दिल्ली के यमुना से सटे इलाकों में बाढ़ की स्थिति नियंत्रण में है।

मुख्यमंत्री यमुना बाजार स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के सामने बनी बस्ती में पहुंची। उनके साथ बाढ़ से जुड़े विभागों के आला अधिकारी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री वहां पहले सीढ़ियों से दीवार की ओर पहुंची। उन्हें अंदर बस्ती के लोग छतों व आसपास बाढ़ के पानी के बीच नजर आए। उनके पीछे बाढ़ का तेज पानी लहलहा रहा था। पीड़ित लोगों को देखकर मुख्यमंत्री रुक नहीं पाई। उन्होंने जूतियां उतारी और नंगे पैर बाढ़ के पानी में उतर गईं। किसी को भी यकीन नहीं था कि मुख्यमंत्री अचानक बाढ़ के पानी में उतर जाएंगी। उन्हें बाढ़ के पानी में चलता देख पीड़ित लोग भी उनके पास आने को आतुर नजर आए। मुख्यमंत्री ने उनका हालचाल पूछा और बताया कि सरकार बाढ़ पर निगरानी रखे हुए है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सरकार की ओर से पूरी तैयारियां हैं। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि दिल्ली सरकार उनके साथ खड़ी है। सरकार बाढ़ पीड़ितों को हरसंभव मदद उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री बाढ़ग्रस्त इलाकों ओर पानी के बीच करीब आधे घंटे तक रहीं।

केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने आयुष मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की पहली बैठक की अध्यक्षता की

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक आज नई दिल्ली में आयोजित हुई। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में लोकसभा और राज्यसभा के विभिन्न राजनीतिक दलों के समिति के सांसदों ने भाग लिया।

संसदीय सलाहकार समिति के सदस्यों में डॉ. स्वामी सचिदानंद हरि साक्षी, डॉ. लक्ष्मीकांत बाजपेयी, ज्योत्सना सी महंत, धर्मशिला गुप्ता, परषोत्तम रूपाला, अष्टिकर पाटिल नागेश बापुराव, ज्योतिर्मय सिंह महतो, लावु कृष्ण देवरायलू, सदानंद म्हालू शेट तनावडे, बाबूभाई जेसंगभाई देसाई और कृष्ण प्रसाद टेनेटी ने बैठक में भाग लिया।

केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने एक महत्वपूर्ण प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में आयुष मंत्रालय के एक स्वतंत्र मंत्रालय बनने के बाद पहली बार एक समर्पित संसदीय सलाहकार समिति का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण कदम आयुष से संबंधित मामलों पर केंद्रित चर्चा, बेहतर ध्यान और मजबूत नीतिगत दिशा सुनिश्चित करने में मदद करेगा। यह अधिक समग्र और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को बढ़ावा देने में मंत्रालय की भूमिका को और बढ़ाएगा। आयुष के विकास पर प्रकाश डालते हुए, केंद्रीय मंत्री जाधव ने कहा, "प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, आयुष अनुसंधान परिषदों, वैधानिक निकायों और राष्ट्रीय संस्थानों के एक मजबूत नेटवर्क के साथ तेजी से विकसित हुआ है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और राष्ट्रीय आयुष मिशन के माध्यम से, स्वास्थ्य सेवाएँ लाखों लोगों तक पहुँच रही हैं, जबकि आयुष उद्योग 200 अरब डॉलर के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है।"

वैश्विक पहुँच और नवाचार पर बोलते हुए, प्रतापराव जाधव ने कहा, "'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025, इस वर्ष विशाखापत्तनम में 3 लाख से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने के साथ एक उल्लेखनीय उपलब्धि साबित हुआ। एकता और स्वास्थ्य का यह प्रभावशाली प्रदर्शन योग के बढ़ते वैश्विक प्रसार को दर्शाता है। इसके साथ ही, प्रकृति परीक्षण और सहजन- आधारित आयुष आहार जैसी पहल साक्ष्य-आधारित अनुसंधान, निवारक स्वास्थ्य सेवा और स्वस्थ, सतत जीवन शैली को बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।"

बैठक के दौरान, सांसद पुरुषोत्तम रूपाला ने सुझाव दिया कि आयुष मंत्रालय पोस्टर, बैनर और अन्य सूचना एवं संचार सामग्री के माध्यम से अभियान चलाकर जन जागरूकता बढ़ाए। उन्होंने गाँव और ज़िला स्तर पर जमीनी स्तर के वैद्यों के योगदान को मान्यता देने के महत्व पर भी जोर दिया और उनकी विशेषज्ञता को बढ़ावा देने के प्रयासों का आह्वान किया ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग आयुष से लाभान्वित हो सकें और इसकी प्रणालियों को और मजबूत बनाया जा सके। सांसद लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान आयुर्वेद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इससे कई लोगों की जान बच सकती है।

कम्प्लेन बॉक्स और बायोमीट्रिक सिस्टम का शुभारम्भ

सहकारिता मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने आरसीएस कार्यालय में की जनसुनवाई

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के सहकारिता मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने मंगलवार को आरसीएस (रजिस्ट्रार ऑफ कोऑपरेटिव सोसायटीज, दिल्ली) कार्यालय में जनसुनवाई की। कैबिनेट मंत्री के निर्देश पर पहली बार कार्यालय परिसर में कम्प्लेन बॉक्स, बायोमीट्रिक सिस्टम और सीसीटीवी लगाए गए हैं। इनका शुभारम्भ करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इससे शिकायतों के त्वरित समाधान में मदद मिलेगी साथ ही सुझावों के माध्यम से विभाग की कार्यशैली और बेहतर बनेगी। इस पहल का स्वागत करते हुए जनसुनवाई में आवेदकों और शिकायतकर्ताओं ने कैबिनेट मंत्री का आभार व्यक्त किया। श्री इंद्राज ने कहा कि वर्ष 2025 अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष है इसे जनहित में लगातार नई पहल शुरू कर महत्वपूर्ण बनाया जाए, सहकारिता मंत्री अमित शाह के संकल्प सहकारिता से समृद्धि की दिशा में विभाग के लक्ष्य तैयार हों। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश हैं कि विभागीय योजनाओं को तैयार करते समय सहकारिता से आत्मनिर्भरता की मूल भावना को केंद्र में रखें।

सहकारिता मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जन शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए और उनका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग का उद्देश्य आमजन को पारदर्शी, जिम्मेदार और त्वरित सेवाएँ उपलब्ध कराना है।

जनसुनवाई के दौरान सहकारिता मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहरी कोऑपरेटिव बैंक, ग्रुप हाउसिंग सोसायटीज और श्रीफ्ट एंड क्रेडिट सोसायटीज से जुड़े आवेदनों पर प्राथमिकता से कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निस्तारण किया जाए और शिकायतकर्ता को समाधान की जानकारी भी पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराई जाए।

घंटों की दूरी अब मिनटों में कोलकाता मेट्रो का नया विस्तार

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

गोरखपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द ही कोलकाता में मेट्रो कनेक्टिविटी को नई रफ्तार देने वाले हैं, जहाँ सफर में कभी घंटों लग जाते थे, वहीं अब मेट्रो की नई लाइनों के साथ दूरी मिनटों में सिमट जाएगी। शहर और आसपास के इलाकों को जोड़ने वाली ये नई सेवाएँ कोलकाता के जीवन में एक नई ऊर्जा भर देंगी।

सबसे पहले ग्रीन लाइन-एस्प्लानेड से सियालदह (2.45 किमी)। यह छोटा सा खंड शहर की सबसे बड़ी राहत साबित होगा। अभी हावड़ा और सियालदह जैसे दो बड़े रेलवे टर्मिनलों के बीच पहुँचने में सड़क से 40-45 मिनट तक लगते हैं। अब मेट्रो से यह सफर सिर्फ. 11 मिनट में पूरा होगा। रोजाना लाखों यात्रियों के लिए यह समय बचत किसी वरदान से कम नहीं होगी।

दूसरी बड़ी उपलब्धि है येलो लाइन-नोआपाड़ा से जय हिंद विमानबंदर (6.77 किमी)। अब एयरपोर्ट तक पहुँचने के लिए लंबी सड़क यात्रा की जरूरत नहीं रहेगी। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्री, एयरलाइन स्टाफ और एयरपोर्ट कर्मचारी सब तेज, सुरक्षित और आरामदायक सफर का अनुभव करेंगे। दमदम कैंटोनमेंट से इंटरचेंज सुविधा मिलने से पूरे शहर और प्रमुख रेलवे स्टेशनों तक सीधा कनेक्शन भी आसान हो जाएगा। एस्प्लानेड से एयरपोर्ट तक अब यह दूरी सिर्फ. 30 मिनट में पूरी होगी।

तीसरी कड़ी है ऑरेंज लाइन-हेमंत मुखोपाध्याय से बेलेघाटा (4.4 किमी)। यह विस्तार साइंस सिटी, बड़े अस्पतालों, स्कूलों और व्यावसायिक केंद्रों को जोड़ेगा। यात्रियों की संख्या यहाँ दोगुनी होने की उम्मीद है। खास बात यह है कि बेलेघाटा से कवि सुभाष तक की यात्रा भी अब सिर्फ 32 मिनट में पूरी की जा सकेगी। इससे दक्षिणी कोलकाता और पूर्वी कोलकाता के बीच सफर बेहद आसान हो जाएगा।

इन नई लाइनों के जुड़ने से न सिर्फ कोलकाता बल्कि उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना के यात्रियों को भी बड़ा लाभ मिलेगा। शहर के विभिन्न हिस्सों तक पहुँचने में जो समय पहले घंटों लेता था, अब वही सफर कुछ ही मिनटों में संभव होगा।

कोलकाता मेट्रो का यह नया अध्याय केवल पटरियों पर चलती मेट्रो नहीं, बल्कि शहर की रफ्तार और कोलकाता के निवासियों के जीवन आसान बनाने वाला कदम है।

शिवराज सिंह चौहान ने किसानों की शिकायतों के समाधान की व्यवस्था की समीक्षा की

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि भवन, नई दिल्ली में एक उच्चस्तरीय बैठक में, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के विभिन्न पोर्टल और कॉल सेंटर पर आने वाली किसानों की शिकायतों की समीक्षा की।

इस बैठक में केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि योजनाओं का निर्माण जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उनका उचित कार्यान्वयन भी है। उन्होंने कहा कि किसानों की जो भी समस्याएं विभिन्न पोर्टल्स के माध्यम से प्राप्त हो रही हैं, उनका उचित निराकरण समय पर करने की व्यवस्था होनी चाहिए। व्यवस्था इतनी मजबूत होनी चाहिए कि जब किसान भाई-बहन इन पोर्टल्स के माध्यम से हमसे संपर्क करें, तब उन्हें भरोसा हो कि उनकी समस्याओं का निराकरण जरूर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यवस्था यदि सही ढंग से नहीं चलती हो और खानापूर्ति मात्र रहे तो उसकी उपयोगिता सिद्ध नहीं हो पाती, इसलिए व्यवस्था को और सरल तथा मजबूत करना होगा, ताकि हमारे किसान भाइयों-बहनों को इसका समुचित लाभ मिल सके और उनका हर तरह से समाधान हो सके। बैठक में किसानों की शिकायतों के सही निदान के तरीके और व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए दिशा-निर्देश देते हुए शिवराज सिंह ने अधिकारियों से पी.एम. किसान पोर्टल, किसान ई-मित्र, किसान कॉल सेंटर सहित विभिन्न प्लेटफार्म के जरिए मिल रही किसानों की समस्याओं की पूरी जानकारी ली और कहा कि अगले हफ्ते वे फिर से विस्तारपूर्वक समीक्षा करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री इन शिकायतों की नियमित समीक्षा करेंगे। साथ ही, समय-समय पर किसानों से भी बात करके जानेंगे कि उनकी समस्याओं का समाधान हुआ है या नहीं, ताकि वे पूरी तरह से संतुष्ट हो। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान भी उन्होंने ऐसी व्यवस्था बनाई थी, जिसके बेहद सकारात्मक परिणाम मिले थे। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि समस्याओं के तत्काल और उचित निराकरण से ही किसानों में भरोसा कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि किसानों की संतुष्टि ही हमारा मुख्य ध्येय है।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह लगातार फील्ड में किसानों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनने और उनके निराकरण का प्रयास कर रहे हैं। देशव्यापी विकसित कृषि संकल्प अभियान के दौरान भी उन्होंने किसानों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को सुना था और तुरंत उस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए थे। किसानों की तरफ से जो नकली खाद-बीज और कीटनाशक की समस्या बताई गई थी, उसके प्रति भी शिवराज सिंह चौहान ने सख्त रवैया अपनाते हुए, इस संबंध में सख्त कानून बनाने की बात कही है।

सम्पादकीय

'आप' अब सत्ता पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार!

भारतीय राजनीति में आम आदमी पार्टी (आप) का जन्म एक क्रांति की तरह हुआ था। अन्ना आंदोलन की पृष्ठभूमि से निकली इस पार्टी ने भ्रष्टाचार-विरोधी राजनीति और जनसरोकारों के मुद्दों को केंद्र में रखकर देश की जनता को नई उम्मीद दी थी। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया जैसे नेताओं ने खुद को आम आदमी के सिपाही के रूप में पेश करते हुए व्यवस्था बदलने का वादा किया था। उस समय यह कहा गया था कि यह पार्टी व्यवस्था बदलेगी, भ्रष्टाचार मिटाएगी और राजनीति को स्वच्छ बनाएगी। लेकिन आज की हकीकत यह है कि आम आदमी पार्टी भी उसी पुरानी राजनीति के रास्ते पर खड़ी है, जिस पर चलने वाले दलों के खिलाफ उसने आंदोलन खड़ा किया था। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया कभी शिक्षा सुधारक के रूप में पेश किये जाते थे। स्कूलों के मॉडल की तस्वीरें खिंचवाई जाती थीं और उन्हें दिल्ली की राजनीति में ईमानदारी का चेहरा बताकर प्रचारित किया जाता था। लेकिन सत्ता की हकीकत अलग निकली। दिल्ली की शराब नीति घोटाले ने उनकी छवि को ध्वस्त कर दिया और उन्हें शराब क्रांति का जनक बना दिया। वह लंबे समय तक जेल की सलाखों के पीछे रहे और बाहर आने के बाद अपना विधानसभा चुनाव भी हार गये। अब पंजाब में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर मनीष सिसोदिया का बयान, साम, दाम, दंड, भेद... सच-झूठ... जो भी करना पड़ेगा, करेंगे, साफ दिखाता है कि आम आदमी पार्टी अब सत्ता पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। मनीष सिसोदिया का बयान जनता को यह समझाने के लिए पर्याप्त है कि आम आदमी पार्टी और बाकी पारंपरिक दलों में अब कोई फर्क नहीं बचा है। देखा जाये तो लोकतंत्र में चुनावी जीत का आधार जनता की सेवा और सुशासन होना चाहिए, न कि किसी भी साधन से सत्ता हथियाना। लेकिन आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं के शब्दों से यह साफ है कि उनके लिए अब नैतिकता केवल एक खोखला नारा रह गई है। मनीष सिसोदिया के बयान से पंजाब की राजनीति गर्मा गयी है इसलिए अब आम आदमी पार्टी के नेता सफाई भी देते फिर रहे हैं। पंजाब के मंत्री अमन अरोड़ा कह रहे हैं कि सिसोदिया ने जो कहा वह पार्टी की विचारधारा नहीं है। यहां सवाल उठता है कि अगर पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के नेता और अरविंद केजरीवाल के सबसे करीबी सहयोगी, ऐसा बयान देते हैं तो उसे महज व्यक्तिगत राय कैसे कहा जा सकता है? क्या यह सफाई केवल डैमेज कंट्रोल की कोशिश नहीं है? देखा जाये तो आम आदमी पार्टी के इस बदले हुए चरित्र से लोकतंत्र को सबसे बड़ा नुकसान यह हुआ है कि जनता का विश्वास टूट गया है। जो लोग भ्रष्टाचार और व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर सत्ता में आए, अगर वही भ्रष्टाचार और सत्ता-लोलुप राजनीति का हिस्सा बन जाएँ, तो जनता किस पर भरोसा करेगी? सच यही है कि आम आदमी पार्टी अब वैसी ही राजनीति करने लगी है जैसी राजनीति करने का आरोप वह अपने शुरूआती दिनों में दूसरों पर लगाया करती थी। इस सबके चलते भारतीय लोकतंत्र एक बार फिर नैतिकता के संकट का शिकार हो रहा है। ईमानदार राजनीति का नारा देकर पैदा हुई आम आदमी पार्टी अब सत्ता की राजनीति में इस कदर डूब चुकी है कि उसके नेताओं की जुबान पर साम, दाम, दंड, भेद जैसे शब्द चढ़ गए हैं। यह वही पार्टी है जिसने जनता को बदले की राजनीति से बाहर निकलने का सपना दिखाया था। लेकिन अब लगता है, आम आदमी पार्टी का असली चेहरा वही है जिससे उसने खुद को अलग दिखाने की कोशिश की थी। और यही लोकतंत्र के लिए सबसे खतरनाक संकेत है। बहरहाल, मनीष सिसोदिया के बयान को लेकर पंजाब की राजनीति गमार्यी हुई है। इस बयान को विपक्षी दलों ने हाथों-हाथ लिया और चुनाव आयोग से शिकायत तक कर दी। पंजाब बीजेपी अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने तो इसे भ्रष्ट और हिंसक तरीकों की पैरवी करार देते हुए सिसोदिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। विपक्षी दलों का आरोप है कि सिसोदिया ने चुनाव जीतने के लिए अनैतिक और हिंसक रणनीतियों को स्वीकार किया है। यहां सवाल यह भी उठता है कि सिसोदिया के विवादित बयान पर पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल की चुप्पी यदि आगे भी बनी रही तो क्या इसे उनका मूक समर्थन नहीं माना जायेगा?

जयंती

राजीव गाँधी

जन्म: 20 अगस्त, 1944, मुंबई; मृत्यु: 21 मई, 1991) भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के पुत्र और भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के दौहित्र और भारत के नौवें प्रधानमंत्री थे। उनका पूरा नाम राजीव रत्न गांधी था। राजीव गांधी भारत की कांग्रेस (इ) पार्टी के अग्रणी महासचिव (1981 से) थे और अपनी माँ की हत्या के बाद भारत के प्रधानमंत्री (1984-1989) बने। 40 साल की उम्र में देश के सबसे युवा और नौवें प्रधानमंत्री होने का गौरव हासिल करने वाले राजीव गांधी 'आधुनिक भारत के शिल्पकार' कहे जा सकते हैं। वह पहले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने देश में तकनीक के प्रयोग को प्राथमिकता देकर कंप्यूटर के व्यापक प्रयोग पर जोर डाला। भारत में कंप्यूटर को स्थापित करने के लिए उन्हें कई विरोधों और आरोपों को भी झेलना पड़ा, लेकिन अब वह देश की ताकत बन चुके कंप्यूटर क्रांति के जनक के रूप में भी जाने जाते हैं। राजीव गांधी देश के युवाओं में काफी लोकप्रिय नेता थे। उनका भाषण सुनने के लिए लोग काफी इंतजार भी करते थे। राजीव देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री थे। उन्होंने अपने प्रधानमंत्रित्व काल में कई ऐसे फैसले लिए जिसका असर देश के विकास पर देखने को मिला।

पुण्यतिथि

राम शरण शर्मा

जन्म-26 नवम्बर, 1919, बेगुसराय, बिहार; मृत्यु-20 अगस्त, 2011, पटना) भारत के प्रसिद्ध इतिहासकार और शिक्षाविद थे। वे समाज को हकीकत से रु-ब-रु कराने वाले, अन्तराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त भारतीय इतिहासकारों में से एक थे। राम शरण शर्मा 'भारतीय इतिहास' को वंशवादी कथाओं से मुक्त कर सामाजिक और आर्थिक इतिहास लेखन की प्रक्रिया की शुरूआत करने वालों में गिने जाते थे। वर्ष 1970 के दशक में 'दिल्ली विश्वविद्यालय' के इतिहास विभाग के डीन के रूप में प्रोफेसर आर. एस. शर्मा के कार्यकाल के दौरान विभाग का व्यापक विस्तार किया गया था। विभाग में अधिकांश पदों की रचना का श्रेय भी प्रोफेसर शर्मा के प्रयासों को ही दिया जाता है।

कल मिलेंगे

चिंटू नाई की दुकान पर बाल कटवा रहा था,
इतने में ही एक बहुत ही सुंदर लड़की दुकान में आई
चिंटू बोला-नमस्ते जी, आप बहुत सुंदर हैं
लड़की-शुक्रिया!
चिंटू-क्या आज शाम को हम कहीं मिल सकते हैं?
लड़की-जी नहीं, मैं शादीशुदा हूं।
चिंटू-पति से कह देना सहेली से मिलने जा रही हूं...!
लड़की-आप खुद कह दो वही इस समय आपके बाल काट रहे हैं..!
नाई ने चिंटू को कर दिया गंजा!

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

मतों की हेराफेरी के जनक और उनके परनाती की सनक

-मनोज ज्वाला

> बकौल शम्भूनाथ टण्डन-वर्ष 1952 में हुए प्रथम आम चुनाव में कांग्रेस के एक दर्जन दिग्गज प्रत्याशी चुनाव हार गये थे, जिन्हें नेहरु ने प्रशासन पर दबाव दे कर जबरिया जितवाया था। उनमें एक तो हमारे वो चाचा जी स्वयं भी थे। दिग्गज कांग्रेसियों की हार का कारण यह था कि देश-विभाजन में कांग्रेस की भूमिका और उससे उत्पन्न हालातों से देश भर में कांग्रेस-नेतृत्व के विरुद्ध जनाक्रोश उबल रहा था

कांग्रेस के नेतागण जब चुनाव हार जाते हैं, या हारने की सम्भावना देख लेते हैं, तब वे ईवीएम में गडबडी का राग अलापने लगते हैं। हॉलाकि चुनावी मतदान के लिए ईवीएम का इस्तेमाल ही हो रहा है- पहले की तत्सम्बन्धी व्यवस्था में होती रही गडबडियों को रोकने के लिए। ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते रहने वाले कांग्रेसी नेतागण अब इन दिनों मतदाता-सूची में हेराफेरी का एक नया शोर मचा रहे हैं। वे कहीं यह कह रहे हैं कि चुनाव आयोग द्वारा निर्मित सूची में फर्जी मतदाताओं के नाम दर्ज हैं, तो कहीं यह कि भारतीय जनता पार्टी मतों की चोरी कर के चुनावी जीत हासिल की है और तब सत्तासीन हुई है। वे कर्नाटक में मतदाता-सूची के शुद्धिकरण की मांग कर रहे हैं, तो बिहार में आसन्न चुनाव से पहले हो रहे उक्त शुद्धिकरण का विरोध करते रहे हैं और अब जब चुनाव आयोग ने वहां के 65 लाख फर्जी मतदाओं के नामों को सूची से खारिज कर दिया है, तब वे उन्हें वापस दर्ज करने-कराने के लिए पटना की सड़कों से ले कर दिल्ली की संसद तक हंगामा बरपा रहे हैं।

ऐसे तमाम कांग्रेसी नेताओं को यह जान लेना चाहिए कि चुनावी मतों की हेरा-फेरी और प्रशासनिक धाक से मतों की चोरी के व्याकरण का आविष्कार कांग्रेस के द्वारा ही किया गया है, जिसके जनक हमारे ऐतिहासिक चाचाजी ही हैं। लोकसभा के प्रथम चुनाव (1952 में) ही इस आविष्कार का सफल परीक्षण कर हमारे चाचाजी ने कांग्रेस को चुनाव जीतने का यह मंत्र दे दिया था- भविष्य में इसका प्रयोग करते रहने के लिए। जी हां, हमारे चाचाजी, अर्थात वर्तमान कांग्रेस के सबसे नामदार युवा नेता के परनाना जी! जिन्हें सारी दुनिया जवाहरलाल नेहरु के नाम से जानती है। आज उन्हीं का परनाती उपरोक्त हंगामे का नेतृत्व कर रहा है। यह दावा मैं ऐसे ही नहीं कर रहा हूं, बल्कि उन्हीं चाचाजी के जमाने के उस प्रशासनिक अधिकारी की पुस्तक से कर रहा हूं जो उस चुनावी हेरा-फेरी में एक माध्यम बने हुए थे। उन दिनों उतर प्रदेश की सरकार के सूचना-निदेशक रहे शम्भूनाथ टण्डन ने अपने एक लेख में यह खुलासा करते हुए लिखा है कि चुनाव में जीत-हार की हेरा-फेरी के लिए मत-पत्रों की अदली-बदली एवं बूथ कैप्चरिंग जैसे हथकण्डों के मास्टरमाइण्ड थे- जवाहरलाल नेहरु। उनके लेख का पूरा शीर्षक है- जब विशन सेठ ने मौलाना आजाद को धूल चटाई थी, भारत के इतिहास की एक अनजान घटना। अखिल भारतीय खत्री महासभा द्वारा हिन्दू महासभाई नेता केशनलाल सेठ के सम्मान में प्रकाशित स्मृति ग्रंथ में संलित है उनका यह लेख।

बकौल शम्भूनाथ टण्डन-वर्ष 1952 में हुए प्रथम आम चुनाव में कांग्रेस के एक दर्जन दिग्गज प्रत्याशी चुनाव हार गये थे, जिन्हें नेहरु ने प्रशासन पर दबाव दे कर जबरिया जितवाया था। उनमें एक तो हमारे वो चाचा जी स्वयं भी थे। दिग्गज कांग्रेसियों की हार का कारण यह था कि देश-विभाजन में कांग्रेस की भूमिका और उससे उत्पन्न हालातों से देश भर में कांग्रेस-नेतृत्व के विरुद्ध जनाक्रोश उबल रहा था। तब हिन्दू महासभा देश-विभाजन के लिए नेहरु व कांग्रेस को दोषी ठहराते हुए देश भर में उनके विरुद्ध वातावरण बना रखी थी और उस लोकसभा-चुनाव में प्रायः हर दिग्गज कांग्रेसी के खिलाफ अपने दमदार प्रत्याशी खडा किये हुए थी। उसने फूलपुर क्षेत्र में जवाहर लाल नेहरु के खिलाफ जाने-माने प्रखर संत प्रभुदत्त ब्रह्मचारी को खडा किया था, तो रामपुर में मौलाना आजाद के विरुद्ध वहां के लोकप्रिय नेता विशनचन्द सेठ को। कांग्रेस के बडे नेताओं को सर्वत्र कडी चुनौती मिल रही थी। किन्तु अन्तरीम सरकार की कमान चूँकि नेहरू के हाथ में ही थी, इस कारण चाचाजी ने कांग्रेस-प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए शासन-तंत्र का जम कर दुरुपयोग किया। मतदान के दौरान शासन-तंत्र ने लोकतंत्र के लिए जो किया सो तो किया ही; असली खेल तो हमारे चाचाजी मतगणना के दिन खेले। शासनतंत्र को यह पाठ पहले ही पढा दिया गया था कि लोकतंत्र की सलामती के लिए नेहरु को हर हाल में सदा ही अजेय बनाये रखना है; सो मतों की गिनती के दौरान प्रभुदत्त ब्रह्मचारी की जीत जब सुनिश्चित सी दिखने लगी, तब प्रशासनिक अधिकारियों ने अन्तिम चक्र में उनकी पेटी से 2000 मतपत्रों को निकाल कर नेहरुजी की पेटी में मिला कर गिनती पूरी कर दी। इस प्रकार हमारे चाचाजी बहुमत से चुनाव जीत गए।

मालूम हो कि उन दिनों हर प्रत्याशी के लिए अलग-अलग मतपेटियां ही हुआ करती थीं, प्रत्याशी या दल के नाम किसी चिन्ह पर मुहर नहीं लगाई जाती थी, बल्कि मतपत्र को अपने पसंदिदा प्रत्याशी की पेटी में डाल देने का विधान था। इस कारण मतपत्रों की हेरा-फेरी बहुत आसानी से हो सकती थी। अपने लेख में टण्डन साहब लिखते हैं-सेठ विशनचन्द्र के पक्ष में भारी मतदान हुआ था और मतगणना के पश्चात प्रशासन ने बाकायदा लाउडस्पीकरों से सेठ विशनचन्द्र को 10000 वोटों से विजयी घोषित कर दिया था। उस जीत की खुशी में हिन्दू महासभा के लोग विशाल विजय-जुलूस भी निकाल चुके थे। किन्तु जैसे ही यह समाचार वायरलैस के द्वारा लखनऊ होते हुए दिल्ली पहुँचा कि मौलाना अबुल आजाद चुनाव हार गए, सुनते ही चाचाजी तिलमिला उठे। उन्होंने तुरन्त उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमन्त्री पं. गोविन्द वल्लभ पन्त को चेतावनी दे डाली कि मैं मौलाना की हार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं कर सकता, और अगर मौलाना को आप जिता नहीं सकते, तो शाम तक मुख्यमंत्री-पद से इस्तीफा दे दीजिए। फिर क्या था! पंतजी ने आनन फानन में मुझे (सूचना निदेशक-शम्भूनाथ टण्डन को) बुलाया और रामपुर के जिलाधिकारी से सम्पर्क कर उसे किसी भी कीमत पर मौलाना आजाद को जिताने का आदेश देने को कहा। बकौल टण्डन, उन्होंने पंतजी से जब यह बताया कि ऐसा करने से देश में दंगे भी भड़क सकते हैं, तो पन्तजी ने कहा कि "देश जाये भाड़ में, नेहरू जी का हुक़्म है"। बकौल ट्ण्डन-फिर तो मौलाना को जिताने के लिए रामपुर के जिलाधिकरी निर्देशित कर दिए गए। तदोपरांत रामपुर का कोतवाल जीत की बधाइयां स्वीकार कर रहे सेठ विशनचन्द्र के पास गया और कहा कि आपको डीएम साहब बुला रहे हैं। सेठ जी जब जिलाधिकारी से मिले तब उसने कहा कि मतगणना अभी-अभी दुबारा होने वाली है। हिन्दू महासभा के उस उमीदवार ने इसका कड़ा विरोध किया और कहा कि मेरे सभी कार्यकर्ता विजय-जुलूस निकाले हुए हैं, तो ऐसे में आप मेरे मतगणना-एजेंट के बिना दुबारा मतगणना कैसे कर सकते हैं? लेकिन उनकी एक नहीं सुनी गई। जिलाधिकारी ने सेठ जी के सामने ही उनकी मत-पेटी से हजारों मत-पत्र निकाल कर मौलाना की मत-पेटी में मिलाते हुए साफ-साफ कह दिया कि सेठ जी! हम अपनी नौकरी बचाने के लिए आपकी बलि ले रहे हैं, क्योंकि यह नेहरूजी का आदेश है। असहाय बने सेठ जी देखते रह गए और जिलाधिकारी ने पूर्व घोषित चुनाव-परिणाम को रद्द करते हुए पुनर्घोषित चुनाव-परिणाम के आधार पर हिन्दू महासभा के उस प्रत्याशी को चुनाव हरा कर कांग्रेस-प्रत्याशी मौलाना अब्दुल कलाम को विजयी घोषित कर दिया।

तो इस तरह से हमारे चाचाजी अर्थात वर्तमान कांग्रेस के सदाबहार युवा नेता के परनाना जी ने कांग्रेस को चुनावी जीत-हार कामंत्र प्रदान करते हुए लोकतंत्र की स्थापना का श्रेय भी बटोर लिया। बाद में विशनचन्द सेठ सन 1957 व सन 1962 में दो-दो बार हिन्दू महासभा से निर्वाचित हो कर सांसद बने, किन्तु प्रथम चुनाव में तो उनका सारा श्रम नेहरु-कांग्रेस से लोकतंत्र का पाठ पढने में ही व्यर्थ हो गया। अब उन्हीं नेहरु की विरासत को ढो रही वर्तमान कांग्रेस का कथित युवा नेता चुनाव की ईवीएम-प्रणाली में गडबडी और मतदाता-सूची में हेराफेरी का शोर मचा रहा है, तो यह उसकी सनक मात्र है, जिसे खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे के सिवाय और कुछ नहीं कहा जा सकता।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

डेमोग्राफी मिशन से राष्ट्रीय सुरक्षा को मिलेगा नया आधार

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

> डेमोग्राफी का सबसे पहले प्रयोग 1855 में बेल्जियम के अकिल गुडलार्ड ने अपनी पुस्तक एलिमेंट्स ऑफ ह्यूमन डेमोग्राफी में किया। हांलाकि जनसांख्यकी की बात राबर्ट माल्थस 1766 से 1834 में कर चुके हैं और उन्होंने पूरी थ्योरी प्रस्तुत की है। डेमोग्राफिक अध्ययन को दो तरह से समझना पड़ेगा। एक तो सामान्य तौर पर जिस तरह से आयु-धर्म के आधार पर जनसांख्ययीय अध्ययन कर विकास की रुपरेखा तैयार की जाती है

लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को संबोधित करते हुए हाईपॉवर डेमोग्राफी मिशन की घोषणा कर देश के सीमावर्ती जिलों में अवैध घुसपैठियों और अन्य कारणों से देश में आ रहे डेमोग्राफी बदलाव की समस्या के समाधान की आस बंधी है। देश के कुछ हिस्सों खासतौर से सीमावर्ती जिलों में आबादी असंतुलन से बड़ी समस्या होती जा रही है। डेमोग्राफी मिशन को राजनीतिक लाभ हानि की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए। अपितु जो तस्वीर देश में सामने आ रही है उससे सबसे बड़ी और गंभीर समस्या सीमावर्ती क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर आ गई है। हांलाकि राजनीतिक दल वोट बैंक के चलते बांग्लादेशियों, रोहिंग्याओं सहित अवैध प्रवास कर रहे लोगों के पक्ष में आ जाते हैं पर यह सीधा-सीधा राष्ट्रीय सुरक्षा का गंभीर मुद्दा होता जा रहा है। पिछले दिनों अमेरिका के लॉस एंजिल्स की घटना पर ध्यान दिया जाना जरुरी हैं जहां वाहनों को जलाते और लूटपाट मचाकर कानून व्यवस्था को ही तहस-नहस करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। फ्रांस में भी इस तरह की घटनाएं होती रही हैं। रवांडा, पश्चिमी वाल्मिक, यारोपीय देश आदि दुनिया के अनेक देश इस समस्या से दो चार होते रहे हैं। अमेरिका के चुनाव परिणाम किस तरह से लांस एंजिल्स में प्रभावित होते हैं वह सबके सामने हैं। हमारे देश में पश्चिमी बंगाल, असम, बिहार, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, झारखण्ड आदि कई दृष्टि से प्रभावित हो रहे हैं। बांग्लादेशी, रोहिंग्या अवैध घुसपैठ कर देश के हर कोने में आसानी से पहुंच रहे हैं और जब किसी तरह की घटना होती हैं तो इनके द्वारा आंतक और अशांति फैलाई जाती है वह भी किसी से नहीं है। दुनिया के देशों में अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाती है। चीन जैसे देश तो इतने कठोर कदम उठाते हैं कि कभी पता ही नहीं चल सकता की स्वतंत्रता क्या होती है उसका पता ही नहीं चलता। अफगान सीमा पर तो गोली मार दी जाती है। क्यूबा में राजनीतिक जेल में बंद हो जाते हैं। सउदी अरब में भी जेल में बंद कर दिया जाता है। ठीक इसके विपरीत हमारे हालात है। हमारे यहां राजनीतिक संरक्षण मिल जाता है। सोशल एक्टिविस्ट सक्रिय हो जाते हैं। हमारे यहां तो अवैध कब्जा, राशनकार्ड, निःशुल्क सुविधाओं से लाभान्वित करवाने वाले सक्रिय हो जाते हैं। सच में देखा जाए तो राष्ट्रीय सुरक्षा से एक तरह से लेना देना ही नहीं रहता। यही कारण है कि बांग्लादेशी हो या रोहिंग्या हो या पाकिस्तान परस्त लोग देश की सुरक्षा और अशांति फैलाने में कोई कमी नहीं छोड़ते हैं। ज्योंही कहीं पर कोई कार्रवाई करने को प्रशासन आगे आता है तो इनके बचाव में मानवीयता का नारा उछालने लगते हैं। यह अपने आप में दुर्भाग्यपूर्ण हालात है।

डेमोग्राफी का सबसे पहले प्रयोग 1855 में बेल्जियम के अकिल गुडलार्ड ने अपनी पुस्तक एलिमेंट्स ऑफ ह्यूमन डेमोग्राफी में किया। हांलाकि जनसांख्यकी की बात राबर्ट माल्थस 1766 से 1834 में कर चुके हैं और उन्होंने पूरी थ्योरी प्रस्तुत की है। डेमोग्राफिक अध्ययन को दो तरह से समझना पड़ेगा। एक तो सामान्य तौर पर जिस तरह से आयु-धर्म के आधार पर जनसांख्ययीय अध्ययन कर विकास की रुपरेखा तैयार की जाती है। यह एक तरह से इस समस्या का समाधान डेमोग्राफिक अध्ययन के परिणामों के आधार पर नीति व योजनाएं बनाकर की जाती है और की जा सकती है। इसके ठीक विपरीत जिस तरह से देश में अराजकता और अशांति फैलाने और घुसपैठ व वर्गविशेष के कारण जनसंख्या में बदलाव लाकर क्षेत्रीय असंतुलन पैदा करने का प्रयास किया जाता है वह अधिक गंभीर व चिंतनीय हो जाती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा डेमोग्राफी मिशन की घोषणा के निश्चित रुप से राजनीतिक अर्थ निकालने के प्रयास किये जायेंगे। इसे लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक द्वारा घुसपैट और सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध मदरसों आदि द्वारा संचालित गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाई जा रही है उससे जोड़कर देखने का प्रयास किया जाएगा। यहां इसको भी ध्यान में रखना होगा कि अवैध घुसपैठियों द्वारा सीमावर्ती जिलों में जिस तरह से आदिवासियों की जमीन और संपत्ती पर कब्जा किया जा रहा है यह भी किसी से छिपा नहीं हैं। बीएसएफ और एसएसएफ द्वारा जिस तरह से सरकार को लगातार रिपोर्टें दी जाती रही हैं पहलीवार उसे गंभीरता से लिया जा रहा है। बीएसएफ के पूर्व एडीजी पीके मिश्रा का कहना है कि डेमोग्राफी मिशन को राजनीतिक चश्में से नहीं देखा जाना चाहिए। यह तो सीधा सीधा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। आज समूचा देश डेमोग्राफिक समस्या से दो चार हो रहा है। इसे नेपाल, बांग्लादेश, सीमावर्ती इलाकों में मुसलमान और हिंदुओं की आबादी में आ रहे बदलाव आदि से देखना होगा। प्रधानमंत्री की चिंता किसी एक क्षेत्र या सीमा तक नहीं है। इसका बड़ा कारण देश में डेमोग्राफिक समस्या की गंभीरता को समझने से ही होगा। आने वाले दिनों में बिहार, बंगाल आदि में चुनाव होने हैं और राजनीतिक दल इस घोषणा को निश्चित रुप से मुद्दा बनायेंगे, इससे इंकार नहीं किया जा सकता। पर धरातलीय समस्या से आंख नहीं मूंदी जा सकती। बंगाल की मुर्शिदाबाद, बिहार का किशनगंज, उत्तरप्रदेश का नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र, असम के आदिवासी क्षेत्र, पश्चिमी बंगाल और झारखण्ड के हालात सामने हैं। सीमावर्ती सहित इन क्षेत्रों में मदरसों द्वारा जिस तरह का वातावरण तैयार किया जा रहा है उससे डेमोग्राफी बदलती जा रही है। कश्मीर का उदाहरण हमारे सामने है आज कश्मीरी पंडितों का कश्मीर से विस्थापन हो चुका है।

डेमोग्राफी मिशन के पक्ष विपक्ष में अंतहिन विवाद किया जा सकता है पर दो टके का सवाल यही है कि देश को किसी भी हालत में आंतरिक व राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर किसी तरह का कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिये। जिस तरह से देश के कई पॉकेट्स में तेजी से डेमोग्राफिक असंतुलन बन रहा है उसे देखते हुए देरी से ही सही पर डेमोग्राफिक मिशन की घोषणा स्वागतीय है। सभी को दलीय राजनीति से उपर उठकर इसका स्वागत किया जाना चाहिए। यह साफ हो जाना चाहिए कि देश की आंतरिक और सीमावर्ती सुरक्षा को कोई खतरा नहीं होना चाहिए। कोई भी राष्ट् इसे स्वीकार भी नहीं करेगा। घुसपैठियों के कारण जिस तरह की समस्याएं और आदिवासियों की भूमि पर कब्जा करने से लेकर देश की आम जनता के लिए लोक हितकारी योजनाओं में सैंध लगा रहे हैं उसे रोका जाना अतिआवश्यक हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस भावना के साथ मिशन की घोषणा की है उसी भावना और मंशा के साथ इस मिशन को आकार दिया जाना चाहिए और पूरी कार्ययोजना बनाकर इसे जल्द से जल्द से आकार दिया जाना चाहिए ताकि डेमोग्राफिक मिशन अपना कार्य आरंभ कर सके। डेमोग्राफिक संतुलन व सीमाओं की सुरक्षा के साथ ही योजनावद्ध तरीके से असंतुलन के जो प्रयास किये जा रहे हैं उस पर प्रभावी अंकुश लगाया जाना जरुरी है। इसे राजनीतिक विवाद से दूर ही रखा जाना चाहिए। सोशल एक्टिविस्टों को भी राष्ट्रहित को पहली प्राथमिकता देनी ही होगी।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

नेपाल में उपसभापति को हटाने की तैयारी शुरू, बुलाई गई आपात बैठक

(एजेन्सी)।

नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल (नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) का नेपाली सत्तारूढ़ गठबंधन उपसभापति इंदिरा राणा मागर को हटाने के लिए एक और प्रयास करने की तैयारी कर रहा है। दोनों दलों के नेताओं के अनुसार, उपसभापति मागर को हटाने के लिए मंगलवार को आपात बैठक बुलाई गई है, जिन्हें प्रधानमंत्री ओली ने कमजोर और पक्षपातपूर्ण प्रदर्शन वाला बताया है। सीपीएन-यूएमएल के एक नेता ने एएनआई को पुष्टि की, इस मामले पर चर्चा के लिए सीपीएन-यूएमएल संसदीय दल की एक आपात बैठक बुलाई जा रही है।

एक अन्य सत्तारूढ़ गठबंधन, नेपाली कांग्रेस ने भी उपसभापति को हटाने पर चर्चा के लिए दोपहर बाद संसदीय दल की बैठक बुलाई है, नेपाली कांग्रेस के एक अन्य नेता ने एएनआई को इसकी पुष्टि की। सत्तारूढ़ गठबंधन ने उपसभापति को पद से हटाने के लिए हस्ताक्षर संग्रह अभियान भी शुरू कर दिया है, जहाँ कुछ सांसदों ने पहले ही हस्ताक्षर कर उन्हें पद से हटाने के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है। चूँकि संविधान के अनुसार उपसभापति को पद से हटाने के लिए दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है और सत्तारूढ़ गठबंधन इससे पीछे रह गया है, इसलिए नेताओं ने एएनआई को यह भी पुष्टि की कि छोटे दलों के साथ भी परामर्श चल रहा है। प्रतिनिधि सभा में वर्तमान में 274 सदस्य हैं और सत्तारूढ़ गठबंधन को 183 वोटों की आवश्यकता है, लेकिन नेपाली कांग्रेस के पास अभी केवल 88 और सीपीएन-यूएमएल के पास केवल 79 सीटें हैं, जिससे कुल वोटों की संख्या 167 हो जाती है। सत्तारूढ़ गठबंधन के पास उपसभापति को पद से हटाने के लिए 16 वोटों की कमी है। सत्तारूढ़ गठबंधन में जनता समाजवादी पार्टी के पास 7, जनमत के पास 6, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के पास 4 और नागरिक मुक्ति पार्टी के पास चार सीटें हैं।

ब्लूस्टोन ज्वेलरी का शेयर गिरावट के साथ सूचीबद्ध होने के बाद संभला

(एजेन्सी)। ब्लूस्टोन ज्वेलरी एंड लाइफस्टाइल लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 517 रुपये से करीब दो प्रतिशत की गिरावट के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। हालांकि बाद में इसमें तेजी दर्ज की गई। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 1.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 508.80 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में इसमें तेजी आई और यह 3.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 533.25 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई में शेयर ने 1.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 510 रुपये पर कारोबार की शुरूआत की। हालांकि जल्द ही वापसी करता हुआ 3.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 534 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 8,024.52 करोड़ रुपये रहा। ब्लूस्टोन ज्वेलरी एंड लाइफस्टाइल लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शेयर बिक्री के अंतिम दिन गत बुधवार को 2.70 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने अपने 1,540.65 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 492-517 रुपये प्रति शेयर तय किया था।

फिल्म थामा का लेटेस्ट टीजर हुआ रिलीज

(एजेन्सी)।

मैडॉक फिल्म्स की आगामी हॉरर-कॉमेडी 'थामा' के निर्मार्ताओं ने मंगलवार, 19 अगस्त 2025 को इसका बहुप्रतीक्षित टीजर जारी कर दिया है। आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में आयुष्मान खुराना के साथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना भी हैं। टीजर से संकेत मिलता है कि दोनों मुख्य कलाकार अलौकिक किरदार निभा रहे हैं, जिसे दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। 1 मिनट 49 सेकंड के इस टीजर की शुरूआत एक आवाज से होती है, जो आयुष्मान खुराना की आवाज लगती है, "रह पाओगी मेरे बिना 100 साल तक", और जवाब में, ऐसा लगता है कि रश्मिका मंदाना जवाब देती हैं, "100 साल क्या, एक पल के लिए भी नहीं"। आधिकारिक टीजर एक्शन दृश्यों और रोमांचक दृश्यों से भरपूर है, जिससे दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है कि आगे क्या होने वाला है। यह नवाजुद्दीन सिद्दीकी के एक अनोखे हास्य संवाद के साथ समाप्त होता है। नीचे थमा का टीजर देखें: रश्मिका के लुक्स से लेकर आयुष्मान के अभिनय कौशल और स्क्रीन प्रेजेंस से लेकर अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की कॉमिक टाइमिंग तक, प्रशंसकों ने 'थमा' को लेकर उत्साह व्यक्त किया। मंगलवार को, निमार्ताओं ने आधिकारिक टीजर इस कैप्शन के साथ साझा किया, "ना डर कभी इतना शक्तिशाली था, और ना प्यार कभी इतना ब्लडी! इस दिवाली मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की पहली प्रेम कहानी देखने के लिए तैयार हो जाइए। #थमा की दुनिया में कदम रखिए, एक अनोखा सिनेमाई अनुभव जो आपने पहले कभी नहीं देखा होगा, दुनिया भर के सिनेमाघरों में धूम मचा रहा है।" हॉरर कॉमेडी फिल्म 'थामा' इस दिवाली सिल्वर स्क्रीन पर रिलीज होने वाली है। इस बॉलीवुड फिल्म के लेखक नीरेन भट्ट, अरुण फुलारा और सुरेश मैथ्यू हैं। जिन्हें नहीं पता, उनके लिए यह फिल्म मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की नवीनतम कड़ी है, जिसमें स्त्री, स्त्री 2, भेड़िया और मुंज्या जैसी फि ल्में शामिल हैं। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले अमर कौशिक और दिनेश विजान द्वारा निर्मित। फिल्म का संगीत सचिन-जिगर ने दिया है और गीत अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं।

हॉकी एशिया कप का पूरा कार्यक्रम हुआ जारी

(एजेन्सी)। मंगलवार, 19 अगस्त को हॉकी एशिया कप 2025 का कार्यक्रम जारी हो गया है। भारत अपने अभियान की शुरूआत 29 अगस्त को चीन के खिलाफ मुकाबले से करेगा। मेजबान भारतीय टीम पूल ए में जापान, चीन और कजाखस्तान के साथ है। वहीं पूल बी में मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीन ताइपे की टीमों को रखा गया है। वहीं, पाकिस्तान इस टूनार्मेंट का हिस्सा नहीं है। 29 अगस्त से 7 सितंबर के बीच बिहार के राजगीर में एशिया कप 2025 हॉकी का आयोजन होगा। भारत अपना पहला मुकाबला शुरूआती दिन चीन के खिलाफ करेगा। इसके बाद 31 अगस्त को जापान से सामना होगा। तीसरा मैच भारतीय टीम एक सितंबर को कजाखस्तान से खेलेगी। बता दें कि, भारत ने अब तक तीन बार ये खिताब अपने नाम किया है।

कविता

दी शहीदों ने शहादत किस लिए

मांगता हूं मैं क्षमा, कटु सत्य कहने के लिए।
दी शहीदों ने शहादत किस लिए?

गोद सूनी कर चले, माँ रो रही परवा नहीं!
लग्न कंगन हाथ में, पर कुछ शिकन शिकवा नहीं।
हाथ में रखी लिए है, ताकती बहने उधर,
गोद के बच्चे बिलखते, मोह की धारा बही।
कर रहा वह मौत चुंबन, कफन कर में लिए,

दी शहीदों ने शहादत किस लिए?

सुन इधर देहात की, निर्दोष आंखें पूछती।
चाहते थे क्या यही, जो दुर्दशाएं दिखती।
लूट,हत्या,लोमहर्षक, रेप चारों ओर है।
दिन मानवता बेचारी,हर गली में भौंकती।
"आजाद" की मां खोजती है, टीन का बर्तन लिए।

दी शहीदों ने शहादत किस लिए?

अब करो हुंकार, "नेताजी" पधारो देश में,
मूंछ पर ताव, आ "आजाद" अपने वेष में।
रे "खुदी" अब खोल खंजर, कूद पड़ मैदान में,
क्या चुप रहा जाएगा तुमसे, राष्ट्र माँ के क्लेश में ?
चढ़ गए फांसी बता क्यों, हाथ में गीता लिए ?

दी शहीदों ने शहादत किस लिए?

जाग "बिस्मिल" मंत्र दो, ऐसा की तन्हाई मीटे।
द्वेष, ईर्ष्या या विषमता की, विषम खाई पटे।
शांति, समता, प्रेम का, दरिया विमल लहर उठे।
प्रेरणा दो देश की, सोई जवानी जग उठे।
लूटमारों को मिटा दें, देश रक्षा के लिए।

दी शहीदों ने शहादत किस लिए?

धर्म, भाषा, जाति से ऊपर हमारा देश है।
सब बराबर हैं, यही भगवान का आदेश है।
झूठ झगड़े की लड़ाई, आग नेता जो बने,
खुद जलेंगे एक दिन, यह देवता का देश है।

भूलना मत देश है, केवल शहीदों के लिए।
दी शहीदों ने शहादत किस लिए?

-सीताराम शेरपुरी (विद्यापतिनगर)

श्री खाटू श्याम मंदिर में श्रद्धा और उल्लास से मनाई गई अजा एकादशी

■ भजन-कीर्तन से गूंजा मंदिर परिसर, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। शहर की पुरानी अनाज मंडी स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में मंगलवार को अजा एकादशी का पर्व बड़ी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर और बाबा श्याम के स्वरूप को फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया। सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए उमड़ पड़ीं।

एकादशी के उपलक्ष्य में विशेष भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। भजन गायकों ने बाबा श्याम की महिमा का गुणगान कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। संध्या आरती के समय पूरा मंदिर परिसर श्याम नाम के जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान श्रद्धालुओं को अजा एकादशी का महत्व भी बताया गया। मंदिर कमेटी की ओर से श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया।

पंडित दीपक पांडे ने बताया कि भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को अजा एकादशी कहा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्व होता है। इस व्रत को करने से जीवन में सुख-शांति बनी रहती है और भगवान विष्णु की कृपा से रुके हुए कार्य पूरे होते हैं। मंदिर के मुख्य सेवक देसराज गुप्ता ने बताया कि प्रत्येक एकादशी पर मंदिर में भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाता है, जिसमें करनाल सहित आसपास के इलाकों से श्रद्धालु बाबा श्याम के दर्शन करने आते हैं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति करते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर कमेटी की ओर से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं।

इस अवसर पर मंदिर के मुख्य सेवक देसराज गुप्ता, राजेश गर्ग, महेंद्र गुप्ता, अनिल गर्ग, राम करण गोयल, अशोक सिंघला, पवन गुप्ता, राजेश सिंघला व हरीश सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

उद्योगपतियों से सुझाव लेने और समस्याएँ सुलझाने के लिए अमृतसर से उद्योग मंत्री ने शुरू की 'राइजिंग पंजाब' पहल

■ अब हमारे निवेशकों को दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, हम खुद उनके पास जाएंगे-अरोड़ा

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़/अमृतसर। मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के औद्योगिक क्रांतिकारी विजन के तहत पंजाब में उद्योग को बड़ा प्रोत्साहन देने के लिए आज उद्योग एवं बिजली मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने माझा क्षेत्र के उद्योगपतियों से, जिनमें अमृतसर के अलावा गुरदासपुर, तरनतारन, बटाला और पठानकोट के उद्योगपति शामिल थे, औद्योगिक नीति के लिए सुझाव लेने और उनकी समस्याएँ सुलझाने के उद्देश्य से गुरु की नगरी अमृतसर से राइजिंग पंजाब-सुझाव से समाधान तक की शुरूआत की। इस अवसर पर आए उद्योगपतियों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब के सभी बड़े शहरों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और आज यह पहला विशेष आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य नई उद्योग-अनुकूल नीतियों के बारे में जागरूकता फैलाना, नए निवेश के लिए माहौल तैयार करना और सरकार-उद्योग जगत के बीच सीधा संवाद कायम करना है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह पहल पंजाब में नए निवेश, अधिक रोजगार और लोगों की खुशहाली के नए दरवाजे खोलेगी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सुझाव से समाधान तक पहुँचना ही हमारी जिम्मेदारी है।

उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मैं बातों में नहीं, काम में विश्वास रखता हूँ। उन्होंने कहा कि उद्योगपतियों के सुझाव मैंने नोट कर लिए हैं और जो भी काम होने वाले हैं, वे कुछ ही दिनों में पूरे होंगे। उन्होंने कहा कि अमृतसर गुरु नगरी है, पंजाब का प्रवेश द्वार है और यह दुनिया का सबसे सुंदर शहर बनेगा। अमृतसर की मेहमाननवाजी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि यहाँ हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री की अपार संभावनाएँ हैं और सरकार उसके लिए काम करेगी।

कैबिनेट मंत्री ने पंजाब राज्य इंडस्ट्री एंड एक्सपोर्ट कॉरपोरेशन द्वारा बीते समय में जारी पाँच अलग-अलग नोटिफिकेशनों का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी योजनाएँ किसी भी राज्य सरकार ने नहीं दीं, जैसी हमारी सरकार ने उद्योगपतियों के लिए लागू की हैं। उन्होंने कहा कि निवेशक पंजाब सरकार की तारीफ करते हैं और हम कोशिश करते हैं कि हम उद्योगपतियों के लिए काम करें, क्योंकि यह हमारा फर्ज है। उन्होंने कहा कि आप हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं और आपकी समस्याओं का समाधान करना हमारी ड्यूटी है। जो भी मुद्दे और समस्याएँ होंगी, वे हल होंगी। आप सरकार को टैक्स देते हैं, हमारे युवाओं को रोजगार देते हैं और आपका ख्याल रखना मेरा और मेरे विभाग का फर्ज है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मेरी कोशिश होगी कि मैं अपनी जिम्मेदारी पर खरा उतरूँ। उन्होंने अमृतसर में यूनिटी मॉल बनाने और औद्योगिक पार्कों एवं फोकल प्वाइंट पर तुरंत फायर ब्रिगेड की गाड़ियों का प्रबंध करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने उद्योगपतियों को आश्वासन दिया कि ईएसआई अस्पताल को केंद्र सरकार से फंड लेकर और अपग्रेड किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गोइंदवाल साहिब का औद्योगिक क्षेत्र, जो लंबे समय से उपेक्षित है, उसे औद्योगिक हब बनाया जाएगा। उन्होंने माझा क्षेत्र के उद्योगपतियों को पंजाब इन्वेस्ट सम्मेलन, जो 13 और 14 मार्च 2026 को मोहाली में होना है, में हिस्सा लेने का निमंत्रण भी दिया।

कृषि विज्ञान केंद्र, उचानी के वैज्ञानिकों ने सालवन में मनाया वन महोत्सव

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि विज्ञान केंद्र, उचानी के वैज्ञानिकों द्वारा मंगलवार को सालवन गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वन महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वैज्ञानिकों ने बच्चों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संदेश देकर पर्यावरण संरक्षण की महत्ता बताई।

कृषि विज्ञान केंद्र के सीनियर कॉर्डिनेटर डॉ. महा सिंह ने कहा कि हमारा पर्यावरण लगातार खराब होता जा रहा है, जिसे बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे पौधे लगाकर कम से कम तीन साल तक उनकी नियमित देखभाल करें ताकि पर्यावरण संरक्षण का संदेश समाज तक पहुंचे।

कार्यक्रम के संयोजक जिला विस्तार विशेषज्ञ डॉ. विजय कौशिक ने विद्यार्थियों को जल संरक्षण का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि पानी बचाना समय की सबसे बड़ी जरूरत है और प्रत्येक व्यक्ति को इसमें योगदान देना चाहिए। डॉ. कौशिक ने बताया कि वन संभाग अधिकारी, करनाल के सहयोग से लगभग 4500 पौधे सालवन में वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में करीब 500 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वन महोत्सव के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र से डॉ. किरण खोखर, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र से डॉ. प्रशांत चौहान, कृषि विभाग से ए.टी.एम. रवि कुमार और हिमांशु भी उपस्थित रहे। इसके अलावा इथोपिया और नाइजीरिया के जे.एन.यू. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय) से आए पोस्ट डॉक्टरेट स्कॉलर्स ने भी इस कार्यक्रम में भागीदारी निभाई। इन स्कॉलर्स ने सालवन और कबूलपुर खेड़ा क्षेत्र से बौने धान के नमूने एकत्रित किए।

इसी क्रम में डॉ. महा सिंह, कीटविज्ञान विशेषज्ञ तथा डॉ. प्रशांत ने कुरलान और बाल राजपूताना गांवों में गन्ने की फसल का कीट एवं रोगों की स्थिति का अवलोकन किया। इस कार्यक्रम ने बच्चों और ग्रामीणों में पर्यावरण एवं जल संरक्षण के प्रति नई चेतना जागृत की और पौधारोपण को एक जनआंदोलन का रूप देने की प्रेरणा दी।

दरियाओ के किनारों पर दिन-रात कड़ी निगरानी रखी जाए: बरिंदर कुमार गोयल

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने राज्य के प्रभावित ज़िलों में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करने के लिए उच्च-स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक की। इस बैठक में होशियारपुर, तरन तारन, कपूरथला, फिरोजपुर और फाज़िल्का ज़िलों के डिप्टी कमिश्नर सहित ड्रेनेज विभाग के सभी कार्यकारी अभियंता (एक्सईएन) और सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर (एस.ई.) शामिल हुए। बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्री के साथ प्रमुख सचिव श्री कृष्ण कुमार और मुख्य अभियंता (ड्रेनेज) स. हरदीप सिंह मेंदीरत्ता भी उपस्थित रहे।

विस्तृत समीक्षा बैठक के दौरान बरिंदर कुमार गोयल ने सभी दरियाओं के किनारों पर दिन-रात सतत सतर्कता रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश के ऊपरी इलाकों में लगातार हो रही बारिश के कारण पंजाब की दरियाओं में जल स्तर बढ़ गया है, इसलिए बाढ़ की स्थिति को देखते हुए चौकसी और बढ़ाई जाए। जल संसाधन मंत्री ने डिप्टी कमिश्नरों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्रों में दरियाओं के किनारों पर दिन-रात कड़ी निगरानी सुनिश्चित करें और ड्यूटी रोस्टर रजिस्टर की सही पालना करें ताकि निरंतर निगरानी का कार्य सुचारु रूप से चल सके। इस समीक्षा के दौरान डिप्टी कमिश्नरों ने कैबिनेट मंत्री को प्रभावित इलाकों की मौजूदा स्थिति से अवगत कराया। श्री बरिंदर कुमार गोयल ने संवेदनशील इलाकों के साथ-साथ जरूरी स्थानों पर फील्ड स्टाफ सहित मजबूत निगरानी टीमों की तैनाती करने के निर्देश देते हुए कहा कि पूरे प्रभावित क्षेत्र को योजनाबद्ध तरीके से सेक्टरवार बाँटने से समय पर बचाव कार्य सुनिश्चित हो सकेंगे।

कैबिनेट मंत्री ने दोहराया कि बाढ़ से प्रभावित आबादी के लिए आश्रय, भोजन और चिकित्सीय सहायता जैसी आवश्यक सुविधाओं से युक्त उचित राहत कैंप सुनिश्चित किए जाएँ। उन्होंने बाढ़ के चलते उत्पन्न हो रही स्थिति का लगातार आकलन करने और रोकथाम उपायों को तेज करने के निर्देश भी दिए। कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सभी प्रभावित क्षेत्रों में तालमेल बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन और जल संसाधन विभाग के बीच निरंतर संचार व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बी.के.आई. टेरर मॉड्यूल के दो और सदस्य काबू, एक हैंड-ग्रेनेड बरामद

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। बबर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश होने के कुछ ही दिन बाद, काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर ने इसी मॉड्यूल के दो और सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक 86पी हैंड-ग्रेनेड बरामद किया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने मंगलवार को दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान विशवजीत और जैक्सन के रूप में हुई है, जो नकोदर के शंकर गांव के रहने वाले हैं।

जानकारी के अनुसार, पंजाब पुलिस ने नवांशहर ग्रेनेड हमले में शामिल बी.के.आई. मॉड्यूल के पाँच सदस्यों को पहले ही गिरफ्तार किया था। इनमें ऋतिक नरोलिया और सोनू कुमार उर्फ काली के साथ तीन नाबालिग आरोपी शामिल थे। उस समय पुलिस ने एक 86पी हैंड-ग्रेनेड और एक .30 बोर पिस्तौल भी बरामद की थी। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तारी की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए सी.आई. जालंधर ने हाल ही में राजस्थान से बी.के.आई. के दो सदस्यों—ऋतिक नरोलिया और एक नाबालिग आरोपी—को पकड़ा था और उनके कब्जे से भी एक 86पी हैंड-ग्रेनेड बरामद हुआ था।

इन्हीं खुलासों के आधार पर आरोपी विशवजीत, जो मलेशिया भागने की फिराक में था, को कोलकाता से और उसका साथी जैक्सन को नकोदर से गिरफ्तार किया गया। इनसे भी एक हैंड-ग्रेनेड बरामद हुआ। डीजीपी ने पुष्टि की कि सभी आरोपी कनाडा स्थित बी.के.आई. मास्टरमाइंड जीशान अख्तर और अजय गिल के निर्देशों पर काम कर रहे थे और विवरण देते हुए ए.आई.जी. काउंटर इंटेलिजेंस नवजोत सिंह माहल ने जानकारी दी कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी विशवजीत और जैक्सन ने इस वर्ष जुलाई के अंतिम सप्ताह में अपने साथियों के माध्यम से ब्यास से दो हैंड-ग्रेनेड हासिल किए थे। इनमें से एक ग्रेनेड का इस्तेमाल करीब 10 दिन पहले एस.बी.एस. नगर में शराब के ठेके पर धमाका करने में किया गया था।

ए.आई.जी. ने कहा कि मामले की जांच जारी है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियाँ हो सकती हैं। इस संबंध में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं और अन्य प्रावधानों के तहत थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी), अमृतसर में एफआईआर दर्ज की गई है।

पुलिस कमिश्नर ने एक पेड़ मां के नाम लगाया

एसबी संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी के पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने मंगलवार को अपने कार्यालय के सामने स्थित पार्क में माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः इस वैदिक भावना के साथ एक पेड़ मां के नाम लगाया। इस अवसर पर मोहित अग्रवाल ने कहा कि इस पुनीत कार्य में सहभागिता करके मां पृथ्वी प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करके खुद को धन्य महसूस कर रहा हूं।

इस अवसर पर सेन्ट्रल बार के पूर्व महामंत्री सुरेन्द्र नाथ पांडेय, विपिन शुक्ला, सतेन्द्र श्रीवास्तव, संजय यादव, प्रांशु तिवारी, नित्यानंद राय, विनोद पांडेय भैया जी, गौतम कुमार झा सहित दर्जनों अधिवक्ता उपस्थित थे।

स्कूल सेफ्टी प्रोग्राम के तहत एनडीआरएफ ने दिया प्रशिक्षण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं उपायुक्त उत्तम सिंह के मार्गदर्शन में एनडीआरएफ बटिंडा की 7वीं बटालियन द्वारा मंगलवार को स्कूल सेफ्टी प्रोग्राम के तहत आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का आयोजन रेलवे रोड स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तथा प्रेम नगर स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व एसआई संचित ने किया। इस अवसर पर एनडीआरएफ की टीम ने बच्चों और स्कूल स्टाफ को आपदा की स्थिति में स्वयं को सुरक्षित रखने और दूसरों की मदद करने के तरीके सिखाए। टीम ने आपात स्थिति में सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) देने की तकनीक का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। साथ ही आग लगने की स्थिति में बचाव के उपायों और सही प्रतिक्रिया देने की जानकारी भी दी।

एसआई संचित ने बताया कि एनडीआरएफ बटिंडा की 7वीं बटालियन द्वारा 30 अगस्त 2025 तक जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को आपदा की स्थिति में सही कदम उठाने और घबराहट से बचने के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत एनडीआरएफ की विशेषज्ञ टीम स्कूलों और कॉलेजों में जाकर बाढ़, भूकंप, चक्रवात, भूस्खलन, आगजनी या अन्य प्राकृतिक आपदाओं जैसी परिस्थितियों में सुरक्षित रहने के उपाय, प्राथमिक चिकित्सा और बचाव तकनीकों के बारे में जानकारी देगी। इन कार्यक्रमों के दौरान केवल सैद्धांतिक जानकारी ही नहीं दी जाएगी बल्कि व्यावहारिक अभ्यास भी करवाए जाएंगे ताकि छात्र और शिक्षक वास्तविक परिस्थितियों में तुरंत और सही निर्णय ले सकें।

इस तरह के प्रयासों से बच्चों और स्कूल स्टाफ में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और समाज को एक सुरक्षित दिशा मिलेगी।

सरकार के स्वामित्व वाले ब्रांड 'पंजाब मार्ट' के खाद्य पदार्थों को विश्व स्तर पर उत्साहित करने पर दिया जोर

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के भोजन को विश्व स्तर पर उत्साहित करने के उद्देश्य के साथ पंजाब राज्य खाद्य आयोग ने सरकारी स्वामित्व वाले ब्रांड पंजाब मार्ट के विकास की जोरदार वकालत की है। इस सम्बन्धी प्रस्ताव पंजाब सरकार को सौंपा जा चुका है। खाद्य, सिवल स्पलाई और उपभोक्ता मामले के मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक्क को आयोग की पहलकदमियों के बारे अवगत करवाते हुए आयोग के चेयरमैन श्री बाल मुकन्द शर्मा ने बताया कि यह पहलकदमी पंजाब के भोजन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्साहित करने में बहुत मदद करेगी।

सहकारी क्षेत्र की मजबूती के द्वारा राज्य में ग्रामीण रोजगार के अधिक से अधिक मौके यकीनी बनाने की महत्ता को भी श्री कटारूचक्क के संज्ञान में लाया गया। इसमें कृषि, पशु पालन, ग्रामीण विकास, सहकारिता, रोजगार सृजन विभागों के साथ-साथ पंजाब कृषि यूनिवर्सिटी और प्राथमिक कृषि सहकारी सभाओं का तालमेल अहम होगा।

मंत्री ने इस सम्बन्ध में आयोग को अन्य राज्यों की तरफ से अपनाए गए बढ़िया और कारगर अभ्यासों से सीखने के लिए कहा। मंत्री के सामने यह तथ्य भी उजागर किया गया कि राज्य की पोषण सुरक्षा को बेहतर बनाने के मकसद के साथ, स्कूलों में फलों के पौधे, सब्जियों और जड़ी हुई-बूटियों के पौधों पर आधारित पोषण बाग विकसित किये गए हैं। मंत्री ने स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों को भोजन प्रदान करने के मकसद के साथ मिड डे मील योजना की भी समीक्षा की। मंत्री की तरफ से आंगणवाड़ी केन्द्रों की समीक्षा के लिए एकीकृत बाल विकास सेवाएं (आईसीडीऐस), जो 6 साल की उम्र तक के बच्चों, गर्भवती औरतों और दूध पिलाने वाली मांताओं के विकास के लिए एकीकृत सेवाएं प्रदान करती है, का भी जायजा लिया गया। पोषण अभ्यान के अंतर्गत पोषण वाटिका पहलकदमी की भी समीक्षा की गई। जिक्रयोग्य है कि पोषण वाटिका-आंगणवाड़ी केंद्र के नजदीक बने छोटे से बाग हैं, जहाँ फल, सब्जियाँ और लाभकारी पौधे उगाऐ जाते हैं।

मंत्री ने निर्देश दिए कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 की प्रामाणिकता के लिए जरूरी भोजन के अधिकार के हिस्से के तौर पर, खास कर सूखे की स्थितियों में लोगों को गुणवत्तायुक्त वाले भोजन यकीनी बनाने में कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। अनुच्छेद 21 सम्मान के साथ जीवन जीने के मौलिक अधिकार की गारंटी देता है। आयोग के मैंबर विजय दत्त ने आयोग की गतिविधियों की केंद्रीकृत निगरानी के लिए चंडीगढ़ हैडक्वाटर में एक वार रूम बनाने पर भी जोर दिया।

इस मौके पर आयोग के चेयरमैन बाल मुकन्द शर्मा, मैंबर सचिव कनू थिंद और मेंबर जसवीर सिंह सेखों, विजय दत्त और चेतन प्रकाश धालीवाल मौजूद थे।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 व शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 व शहर में सभी वार्डों की सफाई व्यवस्था को लेकर असंध के विधायक योगेन्द्र राणा व एसडीएम राहुल (आईएएस) की अध्यक्षता में मंगलवार को पी. डब्ल्यू. डी. रैस्ट हाऊस में एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें शहर में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी ली गई व पार्षदों की वार्ड वाईज समस्याएं सुनी गई। बैठक में सभी वार्डों के पार्षद व नगर पालिका के अधिकारी व कर्मचारियों ने भाग लिया।

बैठक में विधायक योगेन्द्र राणा ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 व शहर की सफाई व्यवस्था में असन्ध शहर को प्रथम स्थान पर लाने के लिए उपस्थित संबंधित अधिकारियों को शहर की साफ-सफाई व्यवस्था सुचारू बनाये रखने व शहर के आमजन को सफाई के प्रति जागरूक करने बारे निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने निर्देश दिए कि यदि कोई व्यक्ति कूड़े कर्कट को डस्टबिन या डोर-टू-डोर आने वाले वाहनों में नही डालते, कूड़ा कर्कट इत्यादि खुले में फैंकते है तो उनका चालान करना सुनिश्चित करें। इसके साथ-साथ पोलिथिन व प्लास्टिक बैगों के इस्तेमाल व बेचने वाले दुकानदारों के भी चालान किये जाये। विधायक ने कहा कि सफाई व्यवस्था को लेकर नियम बनाए जाए और उन नियमों का पालन किया जाए। घरों व आस-पास की नियमित सफाई के प्रति लोगों को समय-समय पर जागरूक करते रहे। उन्होंने कहा कि सभी पार्षदों के पास सफाई कर्मचारियों का फोन नम्बर होना चाहिए। टिप्पर चलाने वाले ड्राईवर के पास ड्राईविंग लाईसेंस अनिवार्य है।

बैठक में संबंधित पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों में स्वच्छता तथा अन्य समस्याएं जैसे पानी, सीवरेज व स्ट्रीट लाईटों इत्यादि के बारे में विधायक व एसडीएम को अवगत करवाया। इस दौरान एसडीएम ने नगरपालिका सचिव को निर्देश दिए कि वे प्रतिदिन सभी वार्डों में डोर-टू-डोर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करवाएं और कूड़े कचरे का भी नियमित रूप से उठान किया जाए। कचरा उठाने वाली गाड़ी (टिप्पर) पर ड्राईवर, हेल्पर व सफाई कर्मचारी का फोन नम्बर अंकित होना चाहिए। उन्होंने सभी वार्ड पार्षदों को कहा कि वे अपनी स्वच्छता संबंधी शिकायत को स्वच्छता ऐप पर दर्ज करें या एसडीएम कार्यालय में सूचित करें। उन्होंने नपा सचिव को निर्देश दिए कि वे समय-समय पर सफाई कर्मचारियों की कार्य अवधि में निगरानी भी करवाते रहे। उन्होंने कहा कि जो सफाई कर्मचारी बेहतरीन कार्य कर रहा है, उसके लिए रिवॉर्ड की भी व्यवस्था की जाए। एसडीएम ने यह भी निर्देश दिए कि सभी सार्वजनिक शौचालय स्वच्छ व साफ-सुथरे होने चाहिए। ताकि आमजन को कोई असुविधा ना हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि करीब 100 दुकानों पर गीले व सूखे कचरे के लिए दो-दो डस्टबिन रखवाएं जाए तथा सालवन चौंक पर 100 मीटर के दायरे में रेहड़ी व रिक्शा नहीं लगने दी जाए। एसडीएम ने कहा कि शहर में प्रत्येक वार्ड में साप्ताहिक स्वच्छता और जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा जिसके कार्यक्रम की सूचना लोगों को पहले ही दी जाएगी।

इस अवसर पर नपा सचिव प्रदीप कुमार जैन, नगर पालिका चेयरपर्सन सुनीता रानी, एमई अशोक कुमार व नपा वाईस चेयरमैन राजेन्द्र ढिंगड़ा व संदीप लाठर सहित अन्य सभी पार्षदगण मौजूद रहे।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय कुक्करकड़ा में बच्चों को नशा न करने की शपथ दिलाई गई

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। खंड राजौंद के राजकीय प्राथमिक विद्यालय कुक्करकड़ा में नशामुक्त भारत अभियान के तहत बच्चों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए जीवनभर नशा न करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी बच्चों ने शिक्षकों के मार्गदर्शन में यह संकल्प लिया कि वे स्वयं कभी नशे का सेवन नहीं करेंगे और समाज में भी दूसरों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के मुख्य शिक्षक नरेश कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा न केवल व्यक्ति की सेहत को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यह परिवार और समाज के लिए भी एक बड़ी समस्या है। उन्होंने बताया कि नशा शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से व्यक्ति को कमजोर करता है। इसके कारण पारिवारिक सुख-शांति और सामाजिक समरसता भी प्रभावित होती है। इसलिए सभी को इससे दूर रहना चाहिए और स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए।

अन्य शिक्षकों रामकुमार, बलविंदर और राजीव ने भी बच्चों को नशामुक्त जीवन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यार्थी ही भविष्य के कर्णधार हैं। यदि आज से ही वे नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने का संकल्प लेते हैं तो निश्चित ही एक सशक्त और स्वस्थ समाज का निर्माण संभव हो सकेगा।

इस अवसर पर बच्चों ने उत्साहपूर्वक शपथ ली और जागरूक नागरिक बनने का वादा किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने छात्रों को विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन 'नशामुक्त भारत' का संदेश देते हुए किया गया।

गिरदावरी व कृषि भूमि पंजीकरण का डाटा होगा अपलोड, पटवारियों व सहायकों को दिया जाएगा प्रशिक्षण, गांव-गांव लगाएं जाएंगे जागरूकता शिविर: डीसी प्रीति

■ इंतकाल, ततिमा संबंधी कार्य समय से पूरा करें अधिकारी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि गिरदावरी व कृषि भूमि पंजीकरण का डाटा एप के माध्यम से अपलोड किया जाएगा। इसको लेकर रोहतक में मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण चल रहा है। इसके बाद जिला स्तर पर भी पटवारियों व सहायकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिला में हर गांव में कृषि विभाग व राजस्व विभाग के माध्यम से जागरूकता शिविरों का आयोजन होगा, जिसमें किसानों को डाटा अपलोड करने के संदर्भ में पूर्ण जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण होने के बाद शेडयूल जारी किया जाएगा। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि इंतकाल व ततिमा संबंधी कार्य समय से पूरे हों।

डीसी प्रीति मंगलवार को लघु सचिवालय स्थित वीडियो कांफ्रेंस हॉल में राजस्व विभाग व अन्य संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रही थी। इससे पहले अतिरिक्त मुख्य सचिव सुमिता मिश्रा ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से राजस्व विभाग से संबंधित विभिन्न विषयों को लेकर सभी उपायुक्तों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रही थी। डीसी ने कहा कि गिरदावरी व कृषि भूमि पंजीकरण का डाटा अपलोड करने का कार्य 15 नवंबर तक पूरा करने के लिए निर्धारित किया गया है। मुख्यालय द्वारा आर्म लाईसैंस से संबंधित वांछित जानकारी जल्द भिजवाना सुनिश्चित करें। इसमें कोई भी लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के निर्देशन में जनगणना दो चरणों में करवाई जाएगी। पहला चरण अप्रैल 2026 से सितंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा, जिसमें घरों की गिनती का कार्य किया जाएगा। इसके लिए जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा।

डीसी ने कहा कि मैपिंग और ततिमा अपडेट कार्य पैंडिंग हैं, रिपोर्ट अनुसार दो लाख 58 हजार 230 में से अभी तक एक लाख 84 हजार 803 का कार्य पूरा हुआ है, जिसमें 73 हजार 427 ततिमा अपडेट का कार्य लंबित है। जिला राजस्व अधिकारी इस कार्य को जल्द पूरा करवाएं। ततिमा अपडेट होने के बाद इस डाटा को हरसैक पर डाला जाएगा और इसके बाद इसे लाईव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मॉडर्न रेवन्यू रिकार्ड रूम में जो कार्य लंबित हैं, जल्द इस कार्य में तेजी लाकर समय पर पूरा करें। लंबित इंतकाल के कार्य को मिशन मोड पर लेकर इसे जल्द पूरा करें।

डीसी ने कहा कि अधिकारी सुनिश्चित करें कि जिला प्रशासनिक खंड में कोई भी अयोग्य नक्शानवीस कार्य न कर रहा हो। जो नक्शानवीस कार्यरत हैं, वे योग्य हों, अधिकारी यह सुनिश्चित करें। कोई भी ऐसा व्यक्ति, जो नक्शा नवीस या ड्रॉफ्टसमैन का कार्य करता है, वह अपनी योग्यता पूरी करता हो। इस मौके पर जिला राजस्व अधिकारी चंद्र मोहन व डीआईओ दीपक खुराना आदि मौजूद रहे।

जिले की नौ ग्राम पंचायतों में स्पेशल ग्राम सभा का हुआ आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

■ बाल विवाह करने वाले परिवार का सामाजिक बहिष्कार करने का प्रस्ताव पारित

कैथल। जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी रितु लाठर ने बताया कि डीसी प्रीति के आदेशानुसार जिला की नौ ग्राम पंचायतों को स्वतंत्रता दिवस पर विशेष ग्राम सभा आयोजित की गई। इसमें गांव में बाल विवाह निषेध अधिनियम की पूर्ण पालना करने के साथ-साथ बाल विवाह करने करने वाले परिवार का सामाजिक बहिष्कार करने का प्रस्ताव पास किया गया। ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित किया जाए कि ग्राम सभा के सभी सदस्य बाल विवाह का पुरजोर विरोध करते हैं और भविष्य में यदि कोई भी परिवार बाल विवाह के किसी केस में सम्मिलित पाया गया तो उसका सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। प्रस्ताव पास करने वाले गांवों में सिसला, जाखौली कमान, सेगा, शेरगढ़, क्योडक, नरवल, ढांड, कौल व बाकल गांव शामिल रहे। ग्राम सभा में बाल विवाह से होने वाले नुकसान के बारें में जागरूक किया गया। इसके अलावा गांव के विकास के विकास और सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर विचार विमर्श किया गया।

डीडीपीओ रितु लाठर ने कहा कि बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के अनुसार बाल विवाह करना कानून अपराध होने के साथ-साथ बाल विवाह एक सामाजिक बुराई भी है। 18 वर्ष से कम आयु की लड़की व 21 वर्ष से कम आयु के लड़के नाबालिग माना जाता है। कम आयु में शादी करने से लड़का व लड़की का भविष्य खराब हो जाता है। इससे शरीर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों की शादी निर्धारित उम्र से पहले न करके उनके अंदर हुनर पैदा करें। कोई भी व्यक्ति, जो बाल विवाह करवाता हैं, उसको बढ़ावा देता हैं या उसकी सहायता करता हैं तो दो साल तक की कड़ी कैद और एक लाख रुपये तक का जुमार्ना हो सकता हैं। उन्होंने लोगों से भी आह्वान किया कि जिले में कहीं पर भी बाल विवाह जानकारी मिलती है तो इसकी सूचना जिला प्रशासन को सूचना दें। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

विकास एक सतत प्रक्रिया, समस्याएं कभी खत्म नहीं होंगी: हरविन्द्र कल्याण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। घरौंडा नगर पालिका परिसर में मंगलवार को दो मनोनीत पार्षदों का शपथ ग्रहण और संपत्ति प्रमाण पत्र वितरण समारोह आयोजित हुआ। समारोह में विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर सांकेतिक रूप से लाल डोरा क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक लोगों को संपत्ति के मालिकाना हक के प्रमाण पत्र सौंपे गए।

एसडीएम राजेश सोनी ने पार्षद अनिल जावा और सतीश जांगड़ा को शपथ दिलाई। इससे पहले स्पीकर हरविन्द्र कल्याण और दोनों पार्षदों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। पालिका चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता ने विधानसभा अध्यक्ष को पगड़ी पहनाकर स्वागत किया।

हरविन्द्र कल्याण ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले 11 सालों में घरौंडा हलका विकास के मामले में काफी आगे बढ़ा है और कोशिश है कि भविष्य में भी यह गति और तेज हो। उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं बनाकर उन्हें घर-घर तक पहुंचा रही है। विकास एक सतत प्रक्रिया है और समस्याएं कभी खत्म नहीं होंगी, इसलिए सरकार, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि इनका समाधान करें। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले यह क्षेत्र विकास की दृष्टि से उपेक्षित था और लोग छोटे-छोटे कार्यों के लिए तरसते थे। लेकिन अब अधिकांश मांगों को पूरा कराया गया है और तीन दशक से अटके कार्यों को भी आगे बढ़ाया गया है। समाज का कर्तव्य है कि गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों की चिंता करे और उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करे।

कल्याण ने दावा किया कि पिछले 11 वर्षों में हलके में हजारों करोड़ रुपये के विकास कार्य कराए गए हैं। कोरोना काल में विकास की गति अवश्य प्रभावित हुई थी, लेकिन अब न केवल लंबित कार्य पूरे किए जा रहे हैं बल्कि नई परियोजनाएं भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि निमार्णाधीन रिंग रोड, मेडिकल यूनिवर्सिटी, एनसीसी अकादमी और रेपिड रेल प्रोजेक्ट जैसे कार्य एक-दो साल में पूरे होकर क्षेत्र की तस्वीर बदल देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि व्यवस्था सुधार का नतीजा है कि अब साधारण परिवारों के बच्चे भी अधिकारी बन रहे हैं और भाई-भतीजावाद का दौर समाप्त हो चुका है। नौकरियां मेरिट पर दी जा रही हैं। उन्होंने लोगों से आपसी सहयोग और पार्षदों से एकजुट होकर शहर के विकास में योगदान देने की अपील की। लाल डोरा के अंदर 44 सौ प्रॉपर्टी चिह्नित की गई हैं, जिनमें से केवल 250 ने ही आवेदन किया है। आज 144 लोगों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कल्याण ने सांकेतिक तौर पर धर्मपाल, अजीत, धर्म सिंह, घनश्याम, राजेंद्र कौर, बाबू राम और रोशनलाल को प्रमाण पत्र सौंपे और पार्षदों को अधिक से अधिक लोगों को आवेदन करने के लिए प्रेरित करने को कहा।

इस अवसर पर पालिका चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता ने विधानसभा अध्यक्ष द्वारा कराए गए विकास कार्यों का उल्लेख किया और कहा कि सभी वार्डों में समान रूप से विकास हुआ है। समारोह में एसडीएम राजेश सोनी, डीएसपी मनोज कुमार, मंडल अध्यक्ष रोहित भंडारी, मंडल सचिव भारती, पुरुषोत्तम सेठी, सीमा शर्मा तथा विभिन्न वार्डों के पार्षद मौजूद रहे।

अंत्योदय परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही दयालु योजना: डीसी प्रीति

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने बताया कि दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु) अंत्योदय परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के तहत एक लाख 80 हजार सालाना आय वाले परिवार के सदस्य की मृत्यु या स्थाई दिव्यांगता पर आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत विभिन्न श्रेणी में एक लाख रुपये से लेकर पांच लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाती है।

डीसी कैथल प्रीति।

डीसी प्रीति ने बताया कि इस योजना के तहत मृतक व्यक्ति की 6 से 60 वर्ष तक होनी चाहिए। परिवार के द्वारा मृत्यु या स्थाई दिव्यांगता की स्थिति में घटना की तिथि से तीन महीने के भीतर आवेदन करना होगा। आयु अनुसार बात करें तो छह से 12 वर्ष तक की आयु के लिए एक लाख रुपये, 12 से 18 वर्ष तक की आयु के लिए दो लाख रुपये, 18 से 25 वर्ष तक की आयु के लिए तीन लाख रुपये, 25 से 45 वर्ष तक की आयु के लिए 5 लाख रुपये तथा 45 से 60 वर्ष तक की आयु के लिए 3 लाख रुपये आर्थिक सहायता दी जाती है। इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र व्यक्ति की को www.dapsy.finhry.gov.in वैबसाईट पर जाकर आवेदन करना होगा। इसके बाद पीपीपी आईडी नंबर दर्ज करें और गेट ओटीपी पर क्लिक करें। ओटीपी दर्ज करने के बाद उसे सबमिट करें। इसके बाद परिवार के सदस्यों को प्रदर्शित किया जाएगा, फिर लाभार्थी आवश्यक व्यक्तिगत विवरण भरने के बाद फार्म जमा कर सकते हैं।

डीसी प्रीति ने आमजन का आह्वान किया कि ऐसी स्थिति में पात्र व्यक्ति दयालु योजना के तहत आर्थिक सहायता प्राप्त करें। एजेंटों से सावधान रहें और धोखाधड़ी से बचें।

अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 0172-2996024 तथा ईमेल dayaluhelpline@gmail.com पर संपर्क कर सकता है।

अम्बाला में स्पोर्ट्स डेवलेपमेंट एंड प्रमोशन फेडरेशन ऑफ इंडिया की वार्षिक बैठक और चुनाव सम्पन्न

एसबी संवाददाता

अम्बाला। स्पोर्ट्स डेवलेपमेंट एंड प्रमोशन फेडरेशन ऑफ इंडिया की वार्षिक बैठक और चुनाव अम्बाला स्थित एक स्थानीय होटल में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। इस अवसर पर देशभर से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया और भारत में खेलों को बढ़ावा देने की आगामी रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया। बैठक के उपरांत फेडरेशन के नए पदाधिकारियों का चुनाव सर्वसम्मति से किया गया। चुनाव प्रक्रिया का संचालन संगठन के संस्थापक और वरिष्ठ खेल प्रशासक सतीश राणा ने किया। उन्होंने पूरी पारदर्शिता के साथ चुनाव सम्पन्न कराए। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में मुख्य संरक्षक सतीश कुमार राणा, महानिदेशक निलेश राणे, अध्यक्ष अभजीत सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष रणजीत सिंह, उपाध्यक्ष रणवीर सिंह वरोदा और संदीप पटेल, महासचिव गीता अहलावत, कार्यकारी सचिव डॉ. मोहित कुमार, वरिष्ठ संयुक्त सचिव सोने पाल बघेल, संयुक्त सचिव कौशल्या देवी और अनिकेत सिंह, कोषाध्यक्ष (अतिरिक्त प्रभार) विनय रोहिला तथा कार्यकारी सदस्य के रूप में गौरव चाहर, सतीश कुमार, मोहम्मद अदनान, सूरज रोहिल्ला, रोहतास, अभिमन्यु नैन, वीरेंद्र नैन, जगवीर सिंह, सोहन सिंह, सुमित कुमार और भजन लाल को जिम्मेदारी सौंपी गई।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने विश्वास दिलाया कि वे देश की खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं का विस्तार करने, महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और जमीनी स्तर पर प्रतियोगिताओं के आयोजन पर जोर दिया।

सतीश राणा ने नई टीम को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि फेडरेशन का उद्देश्य केवल खिलाड़ियों को तैयार करना नहीं बल्कि उनमें खेल भावना और उत्तम नागरिकता के संस्कार विकसित करना भी है। बैठक और चुनाव के साथ ही आने वाले वर्ष की कार्ययोजना को अंतिम रूप दे दिया गया, जिसमें विभिन्न खेल प्रतियोगिताएँ और विकास कार्यक्रम शामिल हैं।

रोहताश वर्मा बने ओबीसी बिग्रेड के प्रदेश प्रवक्ता

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। ओबीसी बिग्रेड की करनाल में आयोजित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में ओबीसी बिग्रेड के प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र तंवर ने प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए रोहताश वर्मा को ओबीसी बिग्रेड का प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया। रोहताश वर्मा ने अपनी नियुक्ति पर ओबीसी बिग्रेड के प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र तंवर, मुख्य महासचिव सुरेन्द्र रोहिल्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रिटायर्ड डीएसपी करता राम कश्यप, संरक्षक रिटायर्ड कमिश्नर सूरत सिंह बावलिया, पूर्व चेयरमैन माटी कला बोर्ड कर्ण सिंह रानौलिया व प्रदेश कार्यकारिणी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उसको बखूबी से निभाने का प्रयास करेगें और अधिक से अधिक युवाओं को संगठन के साथ जोड़ने का काम करेगें।

रोहताश वर्मा नवनियुक्त प्रदेश प्रवक्ता ओबीसी बिग्रेड

नई दिल्ली में हुआ 15वें एशिया पैसिफिक क्षेत्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ गर्ल गाइड्स एंड गर्ल्स स्काउट्स के 15वें एशिया पैसिफिक क्षेत्रीय सम्मेलन का शुभारंभ नई दिल्ली में हुआ। सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार जैन द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर डॉ. के.के. खंडेलवाल, आईएएस (सेवानिवृत्त), मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स; श्रीमती गीता नटराज, उपाध्यक्ष, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स; तथा डॉ. पंकज मित्तल, महासचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ एवं मुख्य आयुक्त (गाइड्स), भारत स्काउट्स एवं गाइड्स रहे।

इसके साथ ही कार्यक्रम में कैंडेला गोंजालेज, विश्व बोर्ड अध्यक्ष, नादिन एल अची, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सुश्री चेम्पाका एमालिन पाहामिन, अध्यक्ष एशिया पैसिफिक क्षेत्र, सुश्री दातो डॉ. जूसेन बियुन, संस्थापक-फ्रेंड्स ऑफ एशिया पैसिफिक रीजन तथा सुश्री लिन प्राइस, अध्यक्ष-वर्किंग ग्रुप उपस्थित रहे। राजनयिक अतिथियों के रूप में महामहिम सुश्री आयशाथ अजीमा, मालदीव गणराज्य की भारत में उच्चायुक्त, श्री रबिन्द्र जंग थापा, काउंसलर, नेपाल दूतावास एवं महामहिम श्री जोसल एफ. इग्नासियो, भारत में फि लीपींस गणराज्य के राजदूत रहे। सभी अतिथियों का भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ने परंपरागत भारतीय शैली से तिलक और आरती द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया। तत्पश्चात डॉ. के.के. खंडेलवाल ने उनका मंच पर परिचय कराते हुए ससम्मान मार्गदर्शन किया। समारोह का मुख्य आकर्षण फ्लेग मार्च रहा। इसमें विभिन्न सदस्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने ध्वजों के साथ गर्वपूर्वक परेड की। दो कतारों में मार्च कर मध्य में मिलते हुए उन्होंने एकता का प्रभावशाली प्रतीक प्रस्तुत किया। इसके उपरांत विश्वजीत तथा भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की प्रार्थना दया कर दान भक्ति का का सामूहिक गायन हुआ।

मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त, डॉ के के खंडेलवाल ने भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के अध्यक्ष के पदाधिकारियों और अन्य विशिष्ट अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए 7 नवम्बर 1950 को स्थापित भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के इतिहास का संक्षिप्त उल्लेख किया और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर पर प्रकाश डाला। भारतीय परंपरा के अनुरूप सभी गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया दीप प्रज्वलन इस सम्मेलन के औपचारिक उद्घाटन का प्रतीक बना। सांस्कृतिक कार्यक्रम में रंगारंग राजस्थानी लोक-नृत्य "पधारो म्हारे देश" का प्रदर्शन हुआ, जिसने सभी को आकर्षित किया। तत्पश्चात सुश्री कैंडेला गोंजालेज विश्व बोर्ड अध्यक्ष एवं सुश्री नादिन एल अची मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एशिया पैसिफिक क्षेत्र में कार्यरत अपने सदस्य संगठनों के साथ खड़े होने पर गर्व महसूस करता है। यह क्षेत्र विविधता, नवाचार और दृढ़ता से संपन्न है। यह सम्मेलन मात्र एक कार्यक्रम मात्र नहीं है, बल्कि बीते तीन वर्षों की उपलब्धियों और चुनौतियों को साझा करने, एक-दूसरे से सीखने और भविष्य की नई दिशा निर्धारित करने का अवसर है।